घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 33- बुधवार 03- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

लोकसभा-राज्यसभा में भारी हंगामा,विपक्ष एसआईआर पर बहस करने की मांग पर अड़ा

सरकार ने बहस के लिए अड़े विपक्ष को मनाया

चुनाव सुधारों पर लोकसभा में 9 दिसंबर को चर्चा

नई दिल्ली,02 दिसम्बर 2025। एसआईआर और वोट चोरी के आरोप के मुद्दे पर लगातार दूसरे दिन संसद में हंगामा हुआ। विपक्ष एसआईआर पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' के नारे लगाए। इस वजह से लोकसभा में कामकाज नहीं हो सका और कार्यवाही दो बार स्थगित की गई। राज्यसभा में भी सुबह से ही हंगामा शुरू हो गया था। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग की। चुनाव सुधार यानी एसआईआर पर लोकसभा में 9 दिसंबर को चर्चा होगी। संसद में दो दिन से फौरन चर्चा पर अड़ा विपक्ष बहस के लिए मान गया है। मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया, '9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी।' साथ ही उन्होंने कहा- एक दिन पहले 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। इसके लिए भी 10 घंटे का समय तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में इस पर चर्चा करा रही है।

खड़गे बोले...सरकार एसआईआर पर चर्चा को तैयार नहीं...

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा...विपक्ष एसआईआर मामले को गंभीरता से उठाना चाहता है और इस पर चर्चा मांग रहा है, लेकिन सभापति ने अनुमति नहीं दी और सरकार भी चर्चा करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा यह देश के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक है। हम इस मुद्दे पर लड़ रहे हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे। वे हमें बोलने नहीं देते। यह तक नहीं बताते कि किस सदस्य ने नोटिस दिया है और मुद्दा क्या है।

संचार साथी एप को लेकर भड़का विपक्ष...

मोबाइल हैंडसेट पर संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करने के संचार विभाग के निर्देशों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा,...'यह एक जासूसी ऐप है। नागरिकों को प्राइवेसी का अधिकार है। हर किसी को परिवार, दोस्तों को मैसेज भेजने की प्राइवेसी का अधिकार होना चाहिए। वे इस देश को हर तरह से तानाशाही में बदल रहे हैं। संसद इसलिए काम नहीं कर रही है क्योंकि सरकार किसी भी चीज पर बात करने से मना कर रही है।

लोकसभा की कार्यवाही आज 11 बजे तक के लिए स्थगित

संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही दो बार बाधित होने के बाद दोपहर दो बजे पुनः शुरू हुई,लेकिन विपक्ष के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराने की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामे के कारण सिर्फ पांच मिनट में ही कार्यवाही अगले दिन बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्षी सदस्य अध्यक्ष के आसन के समीप वेल में पहुंचकर नारेबाजी करने लगे, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी। पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि वे शांत होकर बैठें और सदन में चर्चा चलने दें। उन्होंने कहा कि देश की जनता सदन की कार्यवाही देख रही है और अपने मुद्दों की चर्चा सुनना चाहती है। उन्होंने विपक्ष पर बार-बार सदन को बाधित करने और वेल में हंगामा न करने की अपील करते हुए इसे जनता के लिए नुकसानदायक बताया। इसके बाद पीठासीन अधिकारी ने सिर्फ पांच मिनट के भीतर यानी दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर सदन की कार्यवाही अगले दिन बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

एसआईआर के खिलाफ संसद भवन के बाहर इंडी गठबंधन का प्रदर्शन

संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस की अगुवाई में इंडी गठबंधन के नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। संसद भवन के बाहर हुए इस प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई, प्रमोद तिवारी सहित कई दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नेताओं ने कतारबद्ध होकर हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर प्रदर्शन किया। पोस्टरों पर 'दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के वोट खत्म करने के लिए नहीं हैं', 'एसआईआर खत्म करो, वोट चोरी बंद करो', 'एसआईआर रोको, लोकतंत्र बचाओ', 'एसआईआर लोकतंत्र के खिलाफ अपराध है' जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शनकारियों ने 'एसआईआर बंद करो' के नारे भी लगाए। कांग्रेस और इंडी गठबंधन एसआईआर शुरू होने के बाद से ही चुनाव आयोग और सत्ताधारी पार्टी भाजपा पर हमलावर है। इन पार्टियों का आरोप है कि एसआईआर के माध्यम से उनके कोर वोटर्स के वोट को काटा जा रहा है।

वेणुगोपाल बोले...सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए आगे आए

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार को संसद में एसआईआर और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सरकार को आगे आकर चर्चा के लिए सहमत होना चाहिए। यह बहुत आसान बात है। जब पूरी विपक्षी पार्टी चर्चा की मांग कर रही है, तो उन्हें ऐसा करने से क्या रोक रहा है। पिछला सत्र पूरी तरह से सरकार के रुख की वजह से बेकार हो गया।'

कर्नाटक में सत्ता नेतृत्व की अटकलों पर विराम लगाने के लिए सिद्धारमैया की एक और कोशिश

बेंगलुरु,02 दिसम्बर 2025। कनार्टक में सत्ता नेतृत्व परिवर्तन के भ्रम का दूर करने के लिए राज्य कांग्रेस लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के घर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पहुंचे और दोनों ने एक साथ नाश्ता किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने एकजुटता का संदेश देते हुए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंगलवार को शिवकुमार के बेंगलुरु स्थित सदाशिवनगर स्थित आवास पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पहुंचे। उनकी और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच लगभग एक घंटे तक चली बातचीत दोस्ताना माहौल में हुई। इस दौरान नाश्ते में सिद्धारमैया ने घर के बने चिकन सूप और इडली का लुत्फ़ उठाया। बाद में दोनों नेताओं ने एक संयुक्त पत्रकार सम्मेलन में पार्टी के भीतर असमंजस की अफवाहों पर विराम लगाया। पार्टी के अंदरूनी मामलों पर बात करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि डीके शिवकुमार और मैं आलाकमान के कहे अनुसार काम करेंगे। हम दोनों भाइयों की तरह काम कर रहे हैं। सत्ता नेतृत्व परिवर्तन संबंधी सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारे बीच कोई भ्रम नहीं है। यदि आलाकमान उन्हें बुलाएगा तो वे दिल्ली जाएंगे। वह बुधवार को मंगलुरु में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल भी वहां मौजूद रहेंगे और इस दौरान वे उनसे बातचीत करेंगे। डीके शिवकुमार कब मुख्यमंत्री बनेंगे? के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जब आलाकमान उन्हें बताएगा।

नोटबंदी में 27 लाख का घपला...पोस्ट ऑफिस के दो कर्मचारियों को दो-दो साल की जेल

हैदराबाद,02 दिसम्बर 2025। सीबीआई की विशेष अदालत ने नोटबंदी के दौरान पोस्ट ऑफिस में हुई 27 लाख रुपये से ज्यादा की हेराफेरी के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने हुमायूं नगर सब-पोस्ट ऑफिस के दो पूर्व कर्मचारियों को दोषी ठहराते हुए दोनों को दो-दो साल की कठोर कैद और 65-65 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। ये दोषी कर्मचारी हैं- अदपा श्रीनिवास और यू. राज्यलक्ष्मी। नोटबंदी के समय श्रीनिवास ट्रेजरर के पद पर थे, जबकि राज्यलक्ष्मी पोस्टल असिस्टेंट थीं। 8 नवंबर 2016 को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 500 और 1000 रुपये के पुराने नोट बंद करने का ऐलान किया था, उसके ठीक दो दिन बाद से ये दोनों गोरखधंधा शुरू कर चुके थे। 10 नवंबर से 24 नवंबर 2016 के बीच लोग पोस्ट ऑफिस में पुराने नोट बदलवाने आते थे। इन दोनों ने तब बिना कोई फॉर्म भरे, बिना कोई रिकॉर्ड दिखाए लोगों से पुराने नोट लिए और बदले में नए नोट नहीं दिए। कुल मिलाकर 27 लाख 27 हजार 397 रुपये की यह रकम उन्होंने हड़प ली। बाद में खातों में भी हेराफेरी करके सारा मामला दबाने की कोशिश की। मामला तब खुला जब हैदराबाद पोस्ट ऑफिस के सीनियर सुपरिटेंडेंट ने गड़बड़ी पकड़ी और 2017 में शिकायत दर्ज कराई। सीबीआई ने 31 अगस्त 2017 को केस दर्ज किया। लंबी जांच के बाद 25 अक्टूबर 2019 को दोनों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई।

दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर 2025। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार को शाम 4 बजे 372 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। ठंडी हवाओं की कमी, तापमान में गिरावट और हवा की धीमी रफ्तार के कारण प्रदूषक कण जमीन के पास जमा हो रहे हैं, जिससे हवा और अधिक जहरीली हो रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 400 तक पहुंच गया, जो 'गंभीर' श्रेणी है। सबसे गंभीर स्थिति चांदनी चौक में दर्ज की गई, जहां औसत एक्यूआई 450 पाया गया। बवाना भी प्रदूषण से बेहाल रहा, जहां औसत एक्यूआई 415 दर्ज किया गया।

केंद्र ने प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदलकर 'सेवा तीर्थ' किया

केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन और राजभवन अब लोकभवन कहलाएंगे

नई दिल्ली,02 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम बदल गया है। अब पीएमओ को 'सेवा तीर्थ' के नाम से जाना जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय सचिवालय के नाम में भी बदलाव किया गया है। सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन होगा। इससे साथ ही केंद्र सरकार ने देश में राज भवनों का नाम बदल कर लोक भवन करने का ऐलान किया है। इसके पहले दिल्ली में राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया है। वहीं प्रधानमंत्री आवास अब लोक कल्याण मार्ग कहलाता है। वहीं उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत देश के 8 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने अपने राजभवनों के नाम में बदलाव किया है। यह बदलाव गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक निर्देश के बाद किए गए हैं। मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा है कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है।

गृह मंत्रालय का पत्र

राज्यों के गवर्नर और केंद्र शासित प्रदेशों के लेफ्टिनेंट गवर्नर के मुख्य सचिव या सचिव को लिखे एक पत्र में गृह मंत्रालय ने पिछले साल हुई गवर्नर की कॉन्फ्रेंस में दिए गए सुझाव का जिक्र किया है। जिसमें राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन कर दिया जाए क्योंकि राजभवन शब्द से कॉलोनियलिज़्म को दर्शाता है। गृह मंत्रालय के निर्देश में कहा गया है, इसलिए यह गुजारिश की जाती है कि सभी आधिकारिक कामों के लिए राज्यपाल और लेफ्टिनेंट गवर्नर के कार्यालयों का नाम 'लोकभवन' और 'लोक निवास' रखा जाए।

इन राज्यों ने बदले अपने राज भवनों के नाम

गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने कार्यालयों से 'राज' शब्द हटाना शुरू कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा ने 'राजभवन' का नाम बदलकर 'लोकभवन' कर दिया है। लद्दाख के राज निवास का नाम बदलकर 'लोक निवास' कर दिया गया है। इस सूची में एक और राज्य जुड़ गया है। राजस्थान ने भी राजभवन का नाम बदलने का ऐलान कर दिया है।

संचार साथी ऐप पर जनता को भ्रमित कर रहा विपक्ष : सिंधिया

नई दिल्ली,02 दिसम्बर 2025। केंद्रीय संचार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी ऐप' को लेकर विपक्ष के सवालों पर कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष जनता को भ्रमित कर रहा है। सिंधिया ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने सदन में इस ऐप की उपयोगिता और इससे उपभोक्ताओं को मिली सुरक्षा का विस्तृत ब्योरा पेश किया है। संचार साथी ऐप कोई जासूसी या कॉल मॉनिटरिंग टूल नहीं है,बल्कि यह जनभागीदारी के सिद्धांत पर आधारित एक सुरक्षा उपाय है। मंत्री ने कहा, हमारी ज़िम्मेदारी है उपभोक्ताओं की मदद करने की। उपभोक्ताओं की सुरक्षा देखने की। संचार साथी एक ऐप है और एक पोर्टल है, जिसके आधार पर हर एक उपभोक्ता अपनी सुरक्षा अपने हाथों से कर पाता है। यह जनभागीदारी का एक कदम है। उन्होंने कहा कि इस पहल का लोगों को स्वागत करना चाहिए, न कि विरोध। इस ऐप का इस्तेमाल वैकल्पिक है। अगर आप चाहते हो, तो इसको सक्रिय करो। अगर आप नहीं चाहते,तो इसे सक्रिय न करो। सिंधिया ने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाया गया है। जनभागीदारी के आधार पर अब तक लगभग 1.75 करोड़ फ्रॉड्यूलेन्ट मोबाइल कनेक्शन निष्क्रिय किए गए हैं। करीब 20 लाख चोरी हुए फ़ोन को ट्रेस किया गया है। 7.5 लाख चोरी हुए फ़ोन सफलतापूर्वक उपभोक्ताओं को वापस सौंपे गए हैं। उपभोक्ताओं की रिपोर्टिंग और पहचान के आधार पर 21 लाख फ़ोन निष्क्रिय किए गए हैं। वर्ष 2024 में देश के अंदर 22,800 करोड़ रुपये तक की धोखाधड़ी हुई है।

विधानसभा चुनाव 2027 से पहले अब यूपी में आरएसएस सक्रिय,जल्द भाजपा में हो सकते हैं बड़े बदलाव

लखनऊ,02 दिसम्बर 2025। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर एस एस) की सक्रियता बिहार चुनाव के बाद अब उत्तर प्रदेश में बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर हाल ही में यूपी सरकार, बीजेपी संगठन और संघ के शीर्ष नेताओं के बीच एक समन्वय बैठक हुई। यह बैठक करीब सवा साल बाद आयोजित की गई, जिसमें विशेष रूप से मिशन 2027 और बीजेपी के सांगठनिक बदलाव पर चर्चा हुई। इसे विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश के राजनीतिक, संगठनात्मक और प्रशासनिक ढांचे की व्यापक समीक्षा के तहत देखा जा रहा है। बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष की लखनऊ यात्रा भी महत्वपूर्ण रही। उन्होंने संघ के यूपी के अधिकारियों से मुलाकात कर संगठन के फीडबैक लिए। संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, पश्चिमी क्षेत्र के प्रचारक महेंद्र कुमार और पूर्वी क्षेत्र के प्रचारक अनिल कुमार के साथ बंद कमरे में संघ के कार्यों, स्वयंसेवकों की सक्रियता, शाखाओं के विस्तार और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। सीएम योगी आदित्यनाथ के आवास पर हुई बैठक में बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी समेत संघ के प्रतिनिधि मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी...अरब सागर में लगातार ऑपरेशन चल रहे,पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान हुआ : नौसेना प्रमुख त्रिपाठी

नई दिल्ली,02 दिसम्बर 2025। नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। मई 2025 में शुरू हुए इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय नौसेना ने पाकिस्तानी नेवी के खिलाफ मजबूत तैनाती की। इसके कारण पाकिस्तान नौसेना अपने जहाज बंदरगाहों से बाहर नहीं निकाल सकी और अरब सागर के पास मकरान तट तक ही सीमित होकर रह गई।' नेवी चीफ ने कहा कि बीते 7-8 महीने से पश्चिमी अरब सागर में हमारे ऑपरेशन लगातार जारी है। इससे चलते पाकिस्तान की ओर जाने वाले व्यापारी जहाजों के रूट कम हुए हैं। उनकी बीमा राशि महंगी हुई है। इसके चलते पड़ोसी देश पर वित्तीय दबाव बढ़ा है। नेवी चीफ ने मंगलवार को दिल्ली में नेवी की सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। नशीली दवाओं की तस्करी रोकने के अभियान में नेवी यूनिट्स ने पिछले साल अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर 43,300 करोड़ के ड्रग्स जब्त किए। हम पहले रिस्पॉन्डर के रूप में अपनी जिम्मेदारियां बहुत प्रभावी तरीके से निभा रहे हैं और हमें इस पर गर्व है। हमने एक सबमरीन को शामिल किया है, जिसे प्रधानमंत्री ने 15 जनवरी को ट्राई-शिप कमीशनिंग इवेंट के दौरान कमीशन किया था।

नेवी चीफ ने महिला अफसरों की तारीफ की...

नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने दो महिला अफसर लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा की तारीफ की। उन्होंने बताया कि दोनों महिला अफसरों ने 2 अक्टूबर 2024 से 29 मई 2025 के बीच 240 दिनों में 23,400 समुद्री मील की विश्व परिक्रमा पूरी की। नेवी चीफ ने कहा- इस सफर में दोनों ने 4 महाद्वीप, 3 महासागर और 3 प्रमुख केप-केप ऑफ गुड होप, केप लीविन और केप हॉर्न (खतरनाक समुद्री मोड़) को पार किया। दुनिया में अब तक केवल करीब 1900 नाविक ही ऐसी यात्रा पूरी कर पाए हैं।

पिछले नेवी डे के बाद से 12 वॉरशिप शामिल किए हैं। आईएनएस उदयगिरी को हमारे वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने बनाया है। ये हमारा 100वां स्वदेशी वॉरशिप है। हमने 2021 में नेवल इनोवेशन एंड इंडिजिनाइजेशन ऑर्गनाइजेशन और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एक्सेलेरेशन सेल बनाया। ये दोनों डिफेंस इनोवेशन ऑर्गेनाइजेशन और डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस प्रोडक्शन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला...अयोध्या में अब 52 एकड़ में बनेगा विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय

लखनऊ,02 दिसम्बर 2025। योगी सरकार ने अयोध्या को विश्वस्तर पर एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। टाटा सन्स के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित विश्वस्तरीय 'मंदिर संग्रहालय' के लिए राज्य सरकार ने 25 एकड़ के स्थान पर अब 52.102 एकड़ जमीन निःशुल्क देने का निर्णय लिया है। इस आशय का प्रस्ताव मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में यहां लोकभवन में हुई कैबिनेट बैठक में मंजूर किया गया। इस बैठक में कुल 19 अहम प्रस्तावों पर मोहर लगी है। कैबिनेट के निर्णयों के बारे में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि टाटा सन्स ने अपने सीएसआर फंड से एक अत्याधुनिक मंदिर संग्रहालय विकसित करने और उसका संचालन करने की इच्छा व्यक्त की है। इसे कम्पनी एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत एक गैर-लाभकारी एसपीवी के तहत बनाया जाएगा। इसमें केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। परियोजना के लिए भूमि आवंटन के लिए केन्द्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा सन्स के बीच त्रिपक्षीय एम्ओयू बीते 3 सितंबर 2024 को हस्ताक्षरित हो चुका है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि पूर्व में प्रदेश सरकार ने अयोध्या के मांझा जमथरा गांव में 25 एकड़ नजूल भूमि टाटा सन्स को 90 वर्षों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी, लेकिन टाटा संस ने संग्रहालय की भव्यता के दृष्टिगत अधिक भूमि की अपेक्षा की थी। ऐसे में अब इस भूमि के अतिरिक्त 27.102 एकड़ और मिलाकर कुल 52.102 एकड़ भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से पर्यटन विभाग के पक्ष में किया जाएगा, ताकि इस संग्रहालय और निर्माण कार्यों का दायरा बढ़ाया।

संपादकीय

हाथ पर हाथ धरकर बैठने से कम नहीं होगा प्रदूषण

करना होगा कुछ जमीनी काम

दिल्ली ने बीते पूरे माह घुट-घुटकर सांस ली है। नवंबर के 24 दिनों में एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा यानी बहुत खराब और 3 दिन तो यह 400 के ऊपर चला गया मतलब गंभीर। महज तीन दिनों के लिए एक्यूआई 300 के नीचे आया, और वह भी हवाओं की बदौलत। ये आंकड़े देश की राजधानी में वायु प्रदूषण का हाल बयान कर देते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का इस मामले को संज्ञान में लेना महत्वपूर्ण हो जाता है।

शीर्ष अदालत ने सीएक्यूएम और एनसीआर की स्टेट अथॉरिटीज को प्रदूषण से निपटने के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और ऐसी योजना तैयार करने के लिए कहा है, जिस पर अमल किया जा सके। अदालत ने बिल्कुल ठीक कहा कि हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता और समाधान विशेषज्ञों की तरफ से आना चाहिए। दिल्ली-एनसीआर में हर साल दिवाली के बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है और सर्दियों में हालात बद से बदत्तर हो जाते हैं। लेकिन,इस बार तो राहत का कोई दिन मिला ही नहीं। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पराली पर भी नहीं डाला जा सकता। और सबसे बड़ी बात है कि दोष इस सीजन दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का हिस्सा 5त्न से भी कम रहा है। सरकार ने संसद में सोमवार को ही जानकारी दी कि पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 2022 की तुलना में 90 प्रतिशत की कमी आई है।

खासकर दिल्ली-एनसीआर के केस में पराली जलाने को हमेशा से एक बड़ी समस्या के रूप में पेश किया गया है। लेकिन,सफर और आईआईटी दिल्ली ने 2018 में जो इन्वेंट्री रिपोर्ट तैयार की थी, उसके मुताबिक राजधानी में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह वाहन हैं। सफर के मुताबिक, पीएम 2.5 के लिए 41 प्रतिशत ट्रांसपोर्ट और 21 प्रतिशत धूल जिम्मेदार है,जो ज्यादातर कंस्ट्रक्शन साइट से उड़ती है । हालांकि यह रिपोर्ट भी पुरानी पड़ चुकी है, और एक्सपर्ट्स का कहना है कि नई स्टडी होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि पराली तो कवि के समय भी जलाई जा रही थी पर तब आसमान साफ और नीला था,और इस मुद्दे को राजनीति या अहं की लड़ाई न बनाएं। सरकारों के लिए संदेश है कि दोषारोपण के बजाय मिलकर काम करने की जरूरत है। वर्ल्ड बैंक की पिछले साल की एक रिपोर्ट चेताती है कि भारत की पूरी आबादी वायु प्रदूषण के खतरे में है। इसकी वजह से देश की लष्ठक के 3 प्रतिशत के बराबर नुकसान हा है। इससे लड़ने के लिए प्रभावी उपाय चाहिए, और वह भी पूरे देश में।

भोपाल गैस त्रासदी की 41वीं बरसी...3 दिसम्बर पर विशेष

41 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ है गैस त्रासदी का असर

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

भोपाल गैस त्रासदी से निकलते जहरीले सवाल

1984 में 2-3 दिसम्बर की रात भोपाल में मौत ने ऐसा तांडव मचाया था, जिसके जख्म आज तक नहीं भरे हैं। भयानक गैस त्रासदी की उस घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 2-3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों की संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। हालांकि इसी साल भोपाल के जहरीले कचरे का निपटान किया जा चुका है किन्तु भोपाल गैस कांड को 41 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीिं त होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं।

भोपाल गैस त्रासदी पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाली थी कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया था जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा था, आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीिं तों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं

और घटना के 40 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हुए हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंके I 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसो साइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसो साइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। उस कारखाने के टैंक संख्या 610 में निर्धारित मात्रा से ज्यादा एमआईसी गैस भरी हुई थी और गैस का तापमान निर्धारित 4.5 डिग्री के स्थान पर 20 डिग्री था। पाइप की सफाई करने वाले हवा के वेंट ने काम करना बंद कर दिया था। इसके अलावा बिजली का बिल बचाने के लिए मिक को कूलिंग स्तर पर रखने के लिए बनाया गया फ्रीजिंग प्लांट भी बंद कर दिया गया था। 3 दिसम्बर 1984 को इस कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का जो रिसाव हुआ,उसका एक बे I कारण माना गया कि टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के साथ पानी मिल जाने से रासायनिक प्रक्रिया होने के परिणामस्वरूप टैंक में दबाव बना और टैंक का अंदरूनी तापमान 200 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वाल्व उड़ गया था और यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे वायुमंडल में फैल गई। अचानक हुए जहरीली गैस के इस रिसाव से बने गैस के बादल हवा के झोंके के साथ वातावरण में फैल गए और इसकी चपेट में आने वाले लोग मौत की नींद सोते गए।

जिन लोगों के फेफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? दुर्घटना के चार दिनों बाद 7 दिसम्बर 1984 को यूसीआईएल अध्यक्ष एवं सीईओ वारेन एंडर्सन की गिरफ्तारी हुई थी किन्तु वि म्बना देखिये कि इतने भयानक हादसे के मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी के महज छह घंटे बाद मात्र 2100 डॉलर के मामूली जुर्माने पर रिहा कर दिया गया था। उसके बाद वह अवसर का लाभ उठाते हुए भारत छोड़कर अपने देश अमेरिका भाग गया, जिसे भारत लाकर सजा देने की मांग निरन्तर उठती रही लेकिन भारत सरकार अमेरिका से उसका प्रत्यर्पण कराने में विफल रही। 29 सितम्बर 2014 को वोरेन एंडर्सन की मौत हो गई। इस हादसे से पर्यावरण को ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का रूख इस पूरे मामले में संवेदनहीन ही रहा। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को भले ही जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यही है कि इस गैस त्रासदी के 41 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है।

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर बदलने की निपूर्णता ने भारत को अग्रणी प्रकाश स्तंभ बनाया

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर में बदलने की अद्भुत निपुणता ने आज भारत को विश्व शक्ति के शिखर पर स्थापित कर दिया है,यही कारण है कि विश्व समुदाय भारत को केवल एक भूगोल,विशाल जनसंख्या या बाजार के रूप में नहीं देख रहा,बल्कि उसे एक जीवंत सभ्यता,विचार, संस्कृति,तकनीकी क्षमता और आर्थिक परिवर्तन के अद्वितीय मॉडल के रूप में समझने लगा है। भारत वह भूमि है जहाँ सात सौ से अधिक भाषाएँ,बीस हजार से अधिक बोलियाँ,अनेक धर्म, पंथ, समुदाय,विविध वस्त्र, विविध भोजन,विविध पर्व और विविध संस्कृतियों का महासागर मौजूद है, परंतु फिर भी इन सभी विविध धाराओं को एक सशक्त राष्ट्र-चेतना में बाँधने वाली सत्ता है–एकता की अदृश्य परंतु अटूट डोर। यही एकता भारत की आत्मा है, यही उसके अस्तित्व की पहचान है और यही संघर्षों में उसकी शक्ति बनकर उभरती रही है। इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब संकट आया, जब-जब विदेशी आक्रमणकारी आए, जब-जब विभाजनकारी शक्तियों ने इस राष्ट्र की जड़ों को हिलाने का प्रयास किया,तब भारत ने टूटने के बजाय और अधिक मजबूत होकर उठना सीखा।

स्वतंत्रता के बाद जब नवनिर्माण की चुनौती सामने थी, तब अनेक विदेशी विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी की थी कि इतनी विविधताओं वाला देश पाँच-दस वर्षों में टूट जाएगा, लेकिन भारत ने यह सिद्ध किया कि इसकी विविधता विभाजन नहीं, सामर्थ्य है; इसकी बहुलता अस्थिरता नहीं, बल्कि प्रगति का आधार है। संविधान निर्माताओं ने ऐसा लोकतांत्रिक ढाँचा तैयार किया जिसमें विचारों का सम्मान, धर्मनिरपेक्षता, समान अधिकार, भाषाई और सांस्कृतिक स्वतंत्रता और नागरिक सम्मान का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। इसी लोकतांत्रिक शक्ति ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सशक्त लोकतंत्र बनाया। आज जब विश्व के कई बड़े देशों में सामाजिक तनाव और राजनीतिक अस्थिरता है, तब भारत में 145 करोड़ नागरिकों का एक लक्ष्य, एक दिशा और एक ध्येय है–विकास और वैश्विक नेतृत्व।

चुनौतियों को अवसर में बदलने की भारत की क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण कोरोना महामारी रही। जब विश्व की महाशक्तियाँ स्वास्थ्य संकट से टूट रही थीं,तब भारत ने न केवल सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाया,बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भेजकर मानवता का धर्म निभाया। इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं,सीमाई चुनौतियों, और आंतरिक सामाजिक तनावों के समय भारत ने संयम, धैर्य और सामूहिक सहयोग से समाधान खोजने की विलक्षण परंपरा दिखाई।

वर्तमान में भारत की उपलब्धियाँ यह प्रमाणित करती हैं कि यह राष्ट्र केवल संघर्षों से जूझता नहीं, बल्कि उनसे चमकता है। चंद्रयान-3 की अभूतपूर्व सफलता, गगनयान और सूर्ययान मिशन, डिजिटल इंडिया के कारण विश्व में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन करने वाला देश, स्टार्टअप इंडिया के कारण सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप अर्थव्यवस्था,जी-20 में भारत की अध्यक्षता और अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाकर वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व, रक्षा और तकनीक में आत्मनिर्भरता,और 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की तेज गति–ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि भारत केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि नवोन्मेष का प्रतीक बन चुका है।

आज विश्व यह मान चुका है कि भारत की शक्ति उसके हथियारों या आर्थिक संसाधनों में ही नहीं, बल्कि उसके सामाजिक सद्भाव,सहिष्णुता,आध्यात्मिक संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में निहित है। भारत की एकता मंदिरों,मस्जिदों,गुरुद्वारों, चर्चों, बौद्ध विहारों के बीच संतुलन के मंत्र से नहीं, बल्कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्'–'विश्व एक परिवार है' की भावना से संचालित होती है। यही कारण है कि जब कोई शक्ति भारत को जाति,धर्म या भाषा के नाम पर बाँटने का प्रयास करती है,तब भारतीय समाज अपनी परंपरा के अनुरूप और अधिक दृढ़ होकर खड़ा हो जाता है और कहता है कि हम पहले भारतीय हैं, उसके बाद कुछ और यही वह आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना है जिसने भारत को केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि शक्ति और आशा का प्रकाश स्तंभ बना दिया है। यही वह दिव्य तेज है जिसने भारत को अग्रणी बनाया है उज्ज्वल, तेजस्वी,प्रखर, अजेय और जगत को दिशा देने वाला। आने वाला समय निर्विवाद रूप से भारत का समय है, और आने वाली सदी भारत की सदी होगी, क्योंकि यह देश हर चुनौती को अवसर और हर संघर्ष को विजय में बदलना जानता है। यही भारत की पहचान है, यही भारत का गौरव है, और यही वह ऊर्जा है जो भारत को विश्व गुरु बनाकर उभार रही है।

दुनियाँ की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस त्रासदी के हुए 41 साल

दुनियाँ की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस त्रासदी के हुए 41 साल,आज भी उस जहरीली भयंकर रात और डरावने दिन को याद करके सिहर जाते हैं लोग...

श्याम कुमार कोलारे
छिन्दवाड़ा,मध्यप्रदेश

दुनियाँ की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस त्रासदी के हुए 41 साल,आज भी उस जहरीली भयंकर रात और डरावने दिन को याद करके लोग सिहर जाते हैं! दुनियाँ की सबसे बड़ी और भयानक औद्योगिक त्रासदी,जिसने चंद घंटों में ही हजारों लोगों की जान ले ली थी। कहने को तो आज इस घटना के 41 वर्ष हो चुके हैं,परन्तु इस भयानक मंजर को याद करें तो आज भी सभी का दिल दहल जाता है। 2-3 दिसंबर 1984 की रात लोगों के लिए मौत का मंजर लेकर आई थी। उस रात हवा में मौत बह रही थी,जो भी उस हवा के संपर्क में आया, मौत उसे पल में अपने आगोश में लेने को आतुर थी। आज भी उस खौफनाक रात को याद कर लोग सिहर जाते हैं! जी हाँ, मैं उसी त्रासदी के बारे में बताने जा रहा हूँ, जो दुनियाँ की सबसे बड़ी त्रासदी के रूप में इतिहास के पन्नों में दफन है। इस मंजर को याद करने से लगता है जैसे उस रात मौत का कहर लोगों को ग्रास बनाने के लिए उनके पीछे दौड़ रहा था। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें, कहाँ जाएँ, किससे सहायता माँगें। बस लोग अपनी जान बचाने के लिए दौड़े जा रहे थे और जहरीली गैस की चपेट में आकर अपना दम तोड़ते जा रहे थे। उस काली रात ने लोगों की जीवन-साँसें छीन ली थीं। जिधर देखो उधर लाशों का ढेर नजर आ रहा था। पशु-पक्षी, मनुष्य-सब के सब लाशों के ढेर के रूप में दिखाई दे रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे यहाँ मौत का तांडव चल रहा हो। उस रात जहरीली हवा के संपर्क में आने वाला कोई भी इस कहर से अछूता न रह पाया। सब किसी न किसी प्रकार से उसके प्रभाव में आए हुए थे।

मौत की इस हवा ने यूनियन कार्बाइड नामक फैक्ट्री के पास की झुग्गी-बस्ती को सबसे पहले अपना शिकार बनाया। यहाँ काम की तलाश में दूर-दराज़ गाँवों से आकर लोग रह रहे थे। इन झुग्गी-बस्तियों में रह रहे कुछ लोग तो नींद में ही मौत का ग्रास बन गए। जब गैस धीरे-धीरे लोगों के घरों में घुसने लगी, तो लोग घबराकर बाहर आए, लेकिन यहाँ तो हालात और भी

ज्यादा खराब थे। किसी ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया,तो कोई हाँफते-हाँफते मर गया। कोई इस तरह के मंजर से डरकर अपनी जगह से उठ भी नहीं पाया। कोई भी इस तरह के हादसे के लिए तैयार नहीं था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी,लेकिन डॉक्टरों को यह मालूम नहीं था कि हुआ क्या है और इसका इलाज कैसे करना है। उस समय किसी की आँखों के सामने अंधेरा छा रहा था,किसी का सिर चकरा रहा था और सांस की तकलीफ तो सभी को थी। कई लोगों की लाशें तो सड़कों पर ही पड़ी थीं। रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड में लोगों का ढेर लगा हुआ था। किसी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें।

इस गैस त्रासदी को 41 साल हो चुके हैं। आइए जानते हैं क्या हुआ था उस भयंकर काली रात को, जिसने हजारों लोगों को पल में मौत का ग्रास बना डाला। भोपाल में 2-3 दिसंबर 1984 यानी आज से 41 साल पहले दर्दनाक हादसा हुआ था। इतिहास में यह भोपाल गैस कांड या भोपाल गैस त्रासदी के नाम से दर्ज है। भोपाल गैस त्रासदी दुनियाँ की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना मानी जाती है। 2-3 दिसंबर 1984 की रात भोपाल स्थित कीटनाशक बनाने वाली यूनियन कार्बाइड कंपनी के कारखाने से एक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनाइड का रिसाव हुआ। दरअसल, यहाँ प्लांट को ठंडा रखने के लिए मिथाइल आइसोसाइनाइड नाम की गैस को पानी के साथ मिलाया जाता था, लेकिन उस रात इसके संयोजन में गड़बड़ी हो गई और पानी लीक होकर टैंक में पहुँच गया। इसके बाद प्लांट के 610 नंबर टैंक में तापमान और प्रेशर बढ़ गया। इसके बाद गैस का रिसाव तेजी से होने लगा। देखते ही देखते हालात बेकाबू हो गए और जहरीली गैस पूरे भोपाल शहर में फैल गई। यह गैस हवा के साथ मिलकर आसपास के इलाकों में फैल रही थी।

इसके बाद भोपाल में लाशों के ढेर लग गए। अस्पतालों में मरीजों की लंबी लाइन लग गई। बताते हैं कि उस समय फैक्ट्री का अलार्म सिस्टम भी घंटों तक बंद रहा था,जबकि उसे तुरंत बजना चाहिए था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी,अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी, लेकिन डॉक्टरों को यह मालूम नहीं था कि हुआ क्या है और इसका इलाज कैसे करना है। एक अनुमान के मुताबिक सिर्फ दो दिनों में ही 50 हजार से ज्यादा लोग इलाज के लिए पहुँचे थे, जिससे लगभग 15,000 लोगों की जान गई और कई लोग अनेक प्रकार की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के शिकार हुए, जो आज भी त्रासदी की मार झेल रहे हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार भोपाल गैस त्रासदी में कुल 3,787 मौतें हुई थीं, लेकिन गैस कांड के अगले तीन-चार दिनों में हुए अंतिम संस्कारों के आँकड़े कुछ और ही कहानी कहते हैं। गैस कांड के बाद वन विभाग के डिपो से दाह-संस्कारों के लिए इतनी लकड़ियाँ गईं कि पाँच हजार से अधिक अंतिम संस्कार किए जा सकते थे। यह संख्या तो केवल दाह-संस्कारों की है, इसके अतिरिक्त अन्य तरीकों से हुए अंतिम संस्कार जोड़ दें तो यह आँकड़ा सरकारी आँकड़ों से कहीं अधिक प्रतीत होता है।

इस हादसे का मुख्य आरोपी था वॉरेन एंडरसन,जो इस कंपनी का सीईओ था। 6 दिसंबर 1984 को एंडरसन को गिरफ्तार भी किया गया, लेकिन अगले ही दिन 7 दिसंबर को उसे सरकारी विमान से दिल्ली भेजा गया और वहाँ से वह अमेरिका चला गया। इसके बाद एंडरसन कभी भारत नहीं लौटा। कोर्ट ने उसे फरार घोषित कर दिया था। गैस लीक होने के 8 घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया, लेकिन 1984 में हुई इस दुर्घटना से मिले जख्म 41 साल बाद भी नहीं भरे हैं। इस फाइल को भी संभवतः किसी रद्दी कागजों की फाइल में किसी कोने में दफना दिया गया होगा। किंतु आज भी उस हादसे के प्रभाव में आए लोग, जो किसी तरह बच गए थे,पथराई आँखों से न्याय का इंतजार कर रहे हैं। इस प्रकार का हादसा भविष्य में कभी न हो,इसका उचित प्रबंध किया जाए और गैर-जिम्मेदारों पर कड़ा शिकंजा कसा जाए।

बेशक यह एक बहुत बड़ा औद्योगिक हादसा था,लेकिन जिस तरह का वायु प्रदूषण और उसके भीषण प्रभाव उसने भोपाल के पर्यावरण पर छोड़ा, वह आज भी दिखाई देता है। यह गैस भोपाल के तालाबों के पानी और वहाँ की हवा में लंबे समय तक घुली रही और आज 41 साल बाद भी इसका असर दिखाई देता है। इस हादसे में बचे लोगों की सेहत पर ऐसे असर हुए कि उन्हें कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियाँ हुईं, जिनका इलाज मरते दम तक चलता रहा और आज भी बचे लोगों का इलाज जारी है।

गुदरी के लाल : देशरत्न डा.राजेन्द्र प्रसाद

लाल बिहारी लाल,
नई दिल्ली

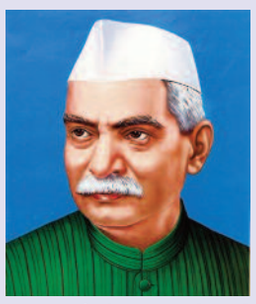

गुदरी के लाल देशरत्न डा.राजेन्द्र प्रसाद का जन्म 3 दिसम्बर 1884 को बिहार के तत्कालिन सारण जिला (अब सीवान)के जीरादेई गांव में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। इनके पिता महादेव सहाय हथुआ रियासत के दीवन थे। अपने पाँच भाई-बहनों में वे सबसे छोटे थे इसलिए पूरे परिवार में सबके लाडले थे। इन्हें चाचा भी काफी लार प्यार करते थे।

राजेन्द्र बाबू के पिता महादेव सहाय संस्कृत एवं फारसी के विद्वान थे एवं उनकी माता कमलेश्वरी देवी एक धर्मपरायण महिला थीं।इसका इसर राजेन्द्र बाबू का जीवन पर भी पड़ा ।ये बचपन से ही काफी मेधावी एवं बहुभाषी थे। इनकी हायर सेकेन्ड्री की पढ़ाई जिला स्कूल छपरा से शुरु हुई और कोलकाता से डिग्री मिली । अपनी वकालत का अभ्यास भागलपुर में किया। इनकी शादी 13 साल की उम्र में ही हो गई परन्तु इनके पढाई पर कोई असर नहां पड़ा। इनका झुकाव बचपन से ही समाज और साहित्य के प्रति काफी था इसलिए गांधी जी से प्रभावित होकर अपनी नौकरी छोड़कर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का झंडा उठा लिया। और साहित्य की श्रीवृद्धि में भी अपना योगदान दिया।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनका पदार्पण वक़ील के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत करते ही हो गया था।चम्पारण में गांधी जी ने एक तथ्य अन्वेषण समूह भेजे जाते समय उनसे अपने स्वयंसेवकों के साथ आने का अनुरोध किया था। राजेन्द्र बाबू महात्मा गाँधी की निष्ठा, समर्पण एवं साहस से बहुत प्रभावित हुए और 1921 में उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय के सीनेटर का पदत्याग कर दिया। गाँधीजी ने जब विदेशी संस्थाओं के बहिष्कार की अपील की थी तो उन्होंने अपने पुत्र मृत्युंजय प्रसाद, जो एक अत्यंत मेधावी छात्र थे,उन्हें कोलकाता विश्वविद्यालय से हटाकर बिहार विद्यापीठ में दाखिल करवाया था। उन्होंने सर्चलाईट और देश जैसी पत्रिकाओं में इस विषय पर बहुत से लेख लिखे थे और इन अखबारों के लिए अक्सर वे धन जुटाने का काम भी करते थे। 1914 में विहार और वंगाल मे आई वाढ़ में उन्होंने काफी बढ़चढ़ कर सेवा-कार्य किया था। विहार के 1934 के भूकम्प के समय राजेन्द्र बाबू कारावास में थे। जेल से दो वर्ष में छूटने के पश्चात वे भूकम्प पीड़ितों के लिए धन जुटाने में तन-मन से जुट गये और उन्होंने वायसराय के जुटाये धन से कहीं अधिक अपने व्यक्तिगत प्रयासों से जमा किया। सिंध ऑफ क्रेटा के भूकम्प के समय भी उन्होंने कई राहत-शिविरों का इंतजाम अपने हाथों मे लिया था।

1934 में वे भा. रा. कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में अध्यक्ष चुने गये।नेता जी एस. सी. बोस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देने पर कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार उन्होंने एक बार पुनः 1939 में सँभाला था। फिर 1942 में अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन में भी अपनी महती भूमिका निभाया। स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माण में भी सहयोग किया था। किसानों के प्रति लगाव एवं जमीनी स्तर पर जूडे होने के कारण स्वतंत्र भारत के प्रथम कृषी एवं खाद्य मंत्री बने थे फिर 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी बहन भगवती देवी का निधन हो गया लेकिन वे भारतीय गणराज्य के स्थापना की रस्म के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गये। 26 जनवरी 1950 को वे स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने। राष्ट्रपति के तौर पर उन्होंने कभी भी अपने संवैधानिक अधिकारों में प्रधानमंत्री या कांग्रेस को दखलअंदाजी का मौका नहीं दिया और हमेशा स्वतन्त्र रूप से कार्य करते रहे। हिन्दू अधिनियम पारित करते समय उन्होंने काफी कड़ा रुख अपनाया था। राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने कई ऐसे दृष्टान्त छोड़े जो बाद में उनके परवर्तियों के लिए मिसाल के तौर पर काम करते रहे।

कविता

क्या फायदा...

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद,छत्तीसगढ़

उस तन का क्या फायदा
जो परोपकार न कर सका
उस मन का क्या फायदा
जो अच्छा सोच न सका
उस पड़ोसी का क्या फायदा
जो दुःख में काम न आ सका
उस दवाई का क्या फायदा
जो रोग ठीक न कर सका
उस मुख का क्या फायदा
जो मीठी वाणी बोल न सका
उस ज्ञान का क्या फायदा
जो योग्य इंसान बना न सका
उस हाथ का क्या फायदा
जो गिरे हुए को उठा न सका
उस दोस्त का क्या फायदा
जो विपत्ति में काम न आ सका
उस दौलत का क्या फायदा
जो अपनो के काम न आ सका
उस कोशिश का क्या फायदा
जो मंजिल तक पहुंचा न सका!

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

मैनपाट में नए बाक्साइट खदान का विरोध

ग्रामसभा की अनुमति पर उठे सवाल...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मैनपाट के कंडराजा और सपनादर क्षेत्र में नए बाक्साइट खदान के विस्तार के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। इन क्षेत्रों में खनन का अधिकार निजी कंपनी मां कुदरगढ़ी स्टील प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है,जो इन स्थानों पर बाक्साइट का उत्खनन करेगी। हालांकि, स्थानीय लोग इस खनन को पर्यावरण और उनके जीवनयापन के लिए खतरनाक मानते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। सपनादर में खुले जाने वाले नए बाक्साइट खदान के लिए मंगलवार को आयोजित पर्यावरणीय जनसुनवाई में भारी हंगामा हुआ। जनसुनवाई में पहुंचे अजजा आयोग के पूर्व अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि इस जनसुनवाई को बिना ग्रामसभा की सहमति के आयोजित किया गया है। उनका कहना था कि प्रभावित गांवों के लोग इस सुनवाई के बारे में अवगत नहीं थे और इससे ग्रामीणों की सहमति की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। सिंह ने यह भी कहा कि ग्रामसभा से अनापत्ति का प्रमाण पत्र पहले लिया जाना चाहिए था, जो कि इस प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। सपनादर के साथ ही,कंडराजा में भी 30 नवंबर को इसी प्रकार की जनसुनवाई आयोजित की गई थी, जहां स्थानीय लोगों ने खदान के खिलाफ जमकर विरोध किया था। कंडराजा में 135 हेक्टेयर और सपनादर में 171 हेक्टेयर भूमि पर बाक्साइट का खनन किया जाएगा। यह दोनों स्थान पर्यावरणीय दृष्टि से काफी संवेदनशील माने जाते हैं, और खनन कार्यों से इन क्षेत्रों की हरियाली और जैव विविधता पर प्रतिकूल असर पडने की आशंका है।

जनसुनवाई के दौरान सपनादर में ग्रामीणों ने पंडाल के भीतर न बैठकर बाहर विरोध जताया और जनसुनवाई में पहुंचे बाहरी व्यक्तियों को भी खदेड़ दिया,जो खनन के पक्ष में थे। स्थानीय लोगों का कहना था कि बाहरी लोग इस मामले से जुड़े नहीं हैं और उनके विचारों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इस हंगामे के कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसे काबू करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। स्थानीय नेताओं और निवासियों ने खनन के कारण पर्यटन उद्योग पर पडने वाले प्रभाव की भी चिंता जताई है। मैनपाट एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि खदानों के विस्तार से इस क्षेत्र की हरियाली नष्ट होगी, जिससे पर्यटन को नुकसान पहुंचेगा। वे यह भी कहते हैं कि खनन से जो प्रदूषण और पर्यावरणीय बदलाव आएंगे, उनका असर स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा। दूसरी ओर,जनसुनवाई में पहुंचे जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया अवैध है,क्योंकि ग्रामसभा से बिना अनुमति के जनसुनवाई का आयोजन किया गया है। उनका आरोप है कि इस मुद्दे पर किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया,जिससे यह पूरी प्रक्रिया कानूनी रूप से संदिग्ध हो जाती है। इस प्रकार, मैनपाट के कंडराजा और सपनादर क्षेत्र में होने वाले नए बाक्साइट खदानों के विस्तार के खिलाफ स्थानीय लोगों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। उनका कहना है कि यह खनन परियोजना केवल निजी कंपनी के फायदे के लिए है,जबकि इसके खतरनाक पर्यावरणीय प्रभावों से पूरे क्षेत्र की स्थिरता खतरे में पड़ सकती है।

स्कूली बच्चों को बिना अनुमति पिकनिक पर ले जाना पड़ा महंगा,डीईओ ने प्राचार्य को हटाया

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले के रामानुजनगर ब्लॉक स्थित आत्मानंद स्कूल भुवनेश्वरपुर में बिना अनुमति बच्चों को पिकनिक ले जाने की खबर पर डीईओ और बीईओ ने अचानक निरीक्षण कर कड़ी नाराजगी जाहिर की। मामला गंभीर होने के चलते स्कूल के प्राचार्य को तत्काल हटाकर नया प्राचार्य नियुक्त किया गया है।

दर्जन भर बच्चों को ले गए पिकनिक

बताया जाता है कि स्कूल के शिक्षकों ने छुट्टी के समय और शैक्षणिक कार्यों को प्रभावित करते हुए करीब दर्जनभर बच्चों को पिकनिक पर ले जाने की योजना बनाई और उन्हें स्कूल से बाहर ले गए। न तो इस संबंध में विभाग को सूचित किया गया और न ही इसके लिए किसी प्रकार की अनुमति ली गई थी। मामला सामने आने के बाद अभिभावक भी नाराज हैं, क्योंकि इस दौरान बच्चों की सुरक्षा की चिंता नहीं की गई।

निरीक्षण के बाद की गई कार्रवाई : डीईओ अजय मिश्रा को सूचना मिली थी कि आत्मानंद स्कूल में शिक्षक बच्चों को पिकनिक पर ले गए हैं। जिसके बाद वे बीईओ के साथ तुरंत स्कूल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्कूल स्टाफ से कड़ी पूछताछ की और कहा कि पढ़ाई में लापरवाही और बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीईओ ने संबंधित शिक्षकों से स्पष्ट जवाब-तलब किया है और घटना के पूरे विवरण के साथ रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि विभागीय जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्राचार्य को ठहराया जिम्मेदार,तत्काल हटाए गए : इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग ने तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की। वर्तमान प्राचार्य को पद से हटाकर मूल पदस्थापना पर वापस भेज दिया गया है,जबकि नए प्राचार्य को स्कूल का कार्यभार सौंप दिया गया है। विभाग का मानना है कि जब स्कूल परिसर में इस प्रकार की गतिविधियाँ हो रही थीं, तब प्राचार्य की जिम्मेदारी थी कि वे इसकी जानकारी रखें और उचित अनुमति प्रक्रिया सुनिश्चित करें।

अभिभावकों ने भी जताया गुस्सा : इस वाकए के बाद कई अभिभावकों में भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि बच्चों को स्कूल में पढ़ाई के लिए भेजा जाता है, न कि बिना सूचना के बाहर ले जाने के लिए। अगर किसी बच्चे के पिकनिक के दौरान कोई हादसा होता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

विश्व एड्स दिवस पर सीएनई सेल द्वारा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,2 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सीएनई सेल की ओर से मंगलवार को हैंड हाइजीन एवं संक्रमण रोकथाम विषय पर सफाई कर्मचारियों और नर्सिंग स्टाफ एवं नर्सिंग छात्रओ के लिए जागरूकता एवं कौशल संबंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थान में स्वच्छता, सुरक्षित कार्य पद्धतियों और एचआईवी एड्स संबंधी वैज्ञानिक जानकारी को बढ़ावा देना था। इस दौरान एमएस डॉ. आरसी आर्या ने अस्पताल में संक्रमण रोकथाम के लिए हाथ स्वच्छता की अनिवार्यता और स्वास्थ्य कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इसके पश्चात डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता ने एड्स से संबंधित जानकारी, इसके कारण, रोकथाम, मिथक एवं वास्तविकताओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने उपस्थित स्टाफ को नवीनतम दिशानिर्देशों और जागरूकता के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के अगले चरण में वीएम टेक्नो के विशेषज्ञ प्रशिक्षक द्वारा नर्सिंग स्टाफ और सफाई कर्मचारियों को प्रिवेंशन, प्रीकॉशन्स, हैंड हाइजीन प्रोटोकॉल एवं सुरक्षित कार्य व्यवहार पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। इस अवसर पर उप अधीक्षक डॉ. बीआर सिंह, मैट्रन सीएस लाल, डाइटिशियन सुमन सिंह, सीएनई सेल की अध्यक्षा दीपिका तिर्की तथा सेल के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम की सफलता में अपना सहयोग प्रदान किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन सीएनई सेल की सदस्य सचिव प्रिया परीडा द्वारा किया गया।

सीतापुर में शादी समारोह के दौरान मारपीट ने लिया सांप्रदायिक रंग,13 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के सीतापुर में एक शादी समारोह के दौरान दो युवकों के बीच हुई मारपीट ने सोमवार रात को सांप्रदायिक रंग ले लिया, जिससे पूरे इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। मामला उस समय बढ़ गया जब एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, और इसके बाद विरोध प्रदर्शन की स्थिति उत्पन्न हो गई। यह विवाद सीतापुर के उरांवपारा और रायकेरा के टोकोपारा निवासी युवकों के बीच डांस के दौरान हुए झगड़े के बाद शुरू हुआ था। तीन दिन पहले उरांवपारा के एक युवक और टोकोपारा के युवकों के बीच डांस फ्लोर पर झगड़ा हुआ था।

इसके बाद टोकोपारा के युवकों ने सीतापुर थाने में मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई। सोमवार को जब उरांवपारा के लोगों को यह जानकारी मिली,तो उन्होंने पुलिस पर पक्षपाती कार्रवाई का आरोप लगाते हुए थाने के सामने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उरांवपारा के लोगों का कहना था कि शादी समारोह के दौरान हुई इस मारपीट के बाद उन्होंने पुलिस को आवेदन दिया था कि उनकी ओर से भी मारपीट हो सकती है, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया और केवल टोकोपारा के युवकों की शिकायत पर कार्रवाई की। उरांवपारा के लोगों ने अपनी बात पुलिस अधिकारियों के सामने रखी, लेकिन जब उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने रात करीब 9 बजे से साढ़े 12 बजे तक नेशनल हाईवे को जाम किया, जिसके कारण सडक़ के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। विरोध के दौरान सैकड़ों लोग–महिलाएं, पुरुष, युवक और युवतियां–साथ में थे। उन्होंने पुलिस से न्याय की मांग करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपनी शिकायत पहले ही पुलिस को दी थी, तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। प्रदर्शन के बढ़ते दबाव के बाद पुलिस को आखिरकार टोकोपारा के युवकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करनी पड़ी। इसके बाद पुलिस ने मामले को शांत करने की कोशिश की। इस बीच, सीतापुर के आला अधिकारी, जिनमें सरगुजा के एएसपी भी शामिल थे,मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाइश दी। रात भर के प्रदर्शन के बाद स्थिति कुछ हद तक शांत हुई, लेकिन मामले का हल नहीं निकला। मंगलवार को उरांवपारा के लोगों ने व्यापारियों से मिलकर सीतापुर नगर बंद का आह्वान किया, जिससे फिर से इलाके में तनाव की स्थिति बनी रही। सीतापुर विधायक भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से अपील की कि वे सडक़ से हटकर शांति बनाए रखें। बावजूद इसके,नेशनल हाईवे पर जाम जारी रहा और स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए भारी बल तैनात किया है और इस मामले पर नजर बनाए रखी है। फिलहाल, सीतापुर में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटनाक्रम ने साम्प्रदायिक रूप ले लिया है, जिससे पूरे जिले में एक अनहोनी की आशंका उत्पन्न हो गई है।

आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार : शादी कार्यक्रम में मामूली विवाद के बाद बदला लेने के नियत से एक दर्जन से अधिक लोगों ने युवक के साथ मारपीट की घटना को अंजाम 1 दिसंबर को दिया था। मामले में सीतापुर पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार निहाल खलखो सीतापुर थाना क्षेत्र के उरांवपारा का रहने वाला है। वह 1 दिसंबर को मोहल्ले के एक युवक को उसके घर छोडऩ जा रहा था। तभी पिछले दिन शादी कार्यक्रम में हुए विवाद का बदला लेने के नियत से लाठी डंडे व लोहे के रॉट से लैस उरांव मुहल्ले टोकोपारा के हीरालाल कुजूर, छोटू खान, आशिक खान, सुहेल खान, जावेद अहमद, शाबीर हसन, अतीक खान, लोग अपने अन्य साथियों के साथ कार, स्कॉर्पियो एवं बाइक से आकर मारपीट किए। निहाल खलखो ने मामले की रिपोर्ट सीतापुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी हीरालाल कुजूर पिता दिलबहार कुजूर उम्र 23 वर्ष निवासी घासीपारा थाना सीतापुर, को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

उसने पुलिस को बताया कि 30 नवंबर 2025 को उरांव पारा में शादी समारोह में साजिद खान का टेंट लगाने के दौरान झगड़ा विवाद का बदला लने के उद्देश्य से एक राय होकर अपने साथियों के साथ वारदात को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने हीरालाल कुजूर के साथ उसके साथी छोटू खान उम्र 24 वर्ष, सुहेल खान उम्र 24 वर्ष, अनिल कुजूर उम्र 18 वर्ष, रेसालत खान उम्र 22 वर्ष, बाबूआलम उम्र 24 वर्ष, नवासी घासीपारा थाना सीतापुर, आशिक खान उम्र 20 वर्ष निवासी बैंकुठपुर, फैजुल्ला खान उम्र 33 वर्ष, मो. मुरतजा उम्र 28 वर्ष, मोहसीन खान उम्र 21 वर्ष, निवासी रायकेरा थाना सीतापुर, जावेद अहमद उम्र 25 वर्ष साकिन कण्डारा थाना कुनकुरी जशपुर, शाबीर हसन उम्र 36 वर्ष साकिन पुटुकेला तेलईधार थाना सीतापुर, अतीक खान उम्र 27 वर्ष साकिन रायकेरा थाना सीतापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 351(2),115(2),191(1),191(3) ,190,331(7) बीएनएस व एसटी/एससी एक्ट की धारा 3(2)(5)(क) के तहत कार्रवाई की है।

स्वदेशी संकल्प यात्रा का भव्य स्वागत आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में कदम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) और स्वदेशी जागरण मंच द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'स्वदेशी संकल्प यात्रा' का शुभारंभ महाराष्ट्र के नागपुर से किया गया। यह यात्रा देशभर के जिलों में स्वदेशी जागृति का संदेश फैलाने के उद्देश्य से निकाली गई है और आज यह यात्रा छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर पहुंची, जहां इसका भव्य स्वागत किया गया। अंबिकापुर आगमन पर केबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल और नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने यात्रा का स्वागत किया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी रक्षा उपकरणों के उत्पादन की दिशा में किए गए कार्यों की सराहना की और देश की आत्मनिर्भरता को साकार करने के लिए स्वदेशी उत्पादों के महत्व को बताया। स्वागत सभा में सीएआईटी के संभाग प्रभारी शंकर बजाज और सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर घड़ी चौक पहुंची, जहां महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने यात्रा का स्वागत किया।

कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय समन्वयक बने लक्ष्मी गुप्ता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

लक्ष्मी गुप्ता को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पिछड़ा वर्ग का राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया गया है। यह आदेश सोमवार को जारी किया गया। इससे पहले, लक्ष्मी गुप्ता सरगुजा जिले में पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे और उनका यह दूसरा कार्यकाल था। इसके अलावा, वे पिछड़ा वर्ग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दो बार प्रदेश महामंत्री भी रह चुके हैं। सामाजिक और राजनीतिक जीवन में लक्ष्मी गुप्ता का लंबा अनुभव रहा है। वे प्रदेश साहू संघ के दो बार प्रदेश उपाध्यक्ष, साहू समाज के संभाग अध्यक्ष, और किसान मित्र व्यापारी संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वर्तमान में, वे किसान मित्र व्यापारी संघ के संरक्षक और भारत कृषक समाज के महामंत्री हैं। लक्ष्मी गुप्ता की ईमानदारी, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

पुलिस द्वारा नये कानून,भारतीय न्याय संहिता की विशेषता पर कला केन्द्र मैदान में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कला केन्द्र मैदान में नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता को जनता तक अधिक आसानी से पहुंचाने एवं कानून समझने में सरलता हो इस हेतु सरगुजा पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न कानूनों की प्रदर्शनी आयोजित की गई जिसमें मुख्य अतिथि माननीय राजेश अग्रवाल, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास मंत्री छत्तीसगढ़ शसन, पुजिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक झा (भा.पु.से.), वरिष्ट पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) नगर पुलिस अधीक्षक श्री राहुल बंसल (भा.पु.से.) द्वारा वर्तमान में नये कानून के महत्व पर प्रकाश डाला जिसमें विशेष कर साइबर अपराध, महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध होने वाले अपराध, डिजिटल संसाधनों का न्यायालय में वैध प्रस्तुती पर प्रकाश डाला।

जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन पर कार्रवाई

मैनपाट के सपनादर और कमलेश्वरपुर में 52 क्विंटल धान जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को मैनपाट विकासखण्ड के सपनादर के गुलाब यादव के घर से 70 बोरी 28 क्विंटल तथा कमलेश्वरपुर के श्याम यादव के घर से 60 बोरी 24 क्विंटल जप्त कर मण्डी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देश पर चल रही सतत मॉनिटरिंग के परिणाम स्वरूप अब तक 10 प्रकरणों में 1335 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया गया है,जिससे शासन की लगभग 3198045 लाख रुपये की आर्थिक हानि को रोका जा सका है। अवैध धान के अंतर्राज्यीय एवं आंतरिक परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिले में बनाए गए चेकपोस्टों पर सतत् निगरानी रखी जा रही है। अनुविभागीय स्तर पर भी विशेष टीमें सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। जंगल और वैकल्पिक मार्गों को भी सील कर दिया गया है, जिससे अवैध धान आवाजाही पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। कलेक्टर श्री भोसकर ने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया है कि अवैध धान भंडारण व परिवहन में शामिल व्यक्ति को सख्त कार्रवाई की जाए।

10 प्रकरण में 31 लाख रुपए से अधिक के 1335 क्विंटल धान जब्त : विगत दिनों विभिन्न स्थानों पर किए गए गोदाम जांच के दौरान, विभागीय टीमों ने कई व्यापारियों से अवैध रूप से रखे गए बड़ी मात्रा में धान बरामद किया है। सभी मामलों में प्रकरण दर्ज की गई है। संजय अग्रवाल, श्री साई ट्रेडिंग, कान्तीप्रकाशपुरः 100 बोरी (40 क्विंटल) पतला धान, अनुमानित कीमत 95,560 रुपए,अजय अग्रवाल, आदर्श ट्रेडिंग, श्रीगढ़ अम्बिकापुर 180 बोरी (72 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 1,70,568 रुपए, जनम कुमार अग्रवाल, जे.के. ट्रेडिंग, श्रीगढ़ः 502 बोरी (200.80 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 4,75,695 रुपए, राजेश कुमार अग्रवाल, महामाया ट्रेडिंगः200 बोरी (90 क्विंटल) पतला धान, कीमत 2,15,010 रुपए,शशिकांत अग्रवाल, बंसल ट्रेडर्स, अम्बिकापुरः 1210 बोरी (484 क्विंटल) पतला धान, कीमत 11,56,276 रुपए,दीपक अग्रवाल, कृष्णा ट्रेडिंग, खरसिया नाकाः 625 बोरी (252 क्विंटल) पतला धान, कीमत 6,02,028 रुपए, मुकेश गुप्ता व सुभाष गुप्ता, खरसिया नाकाः 300 बोरी (120 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 2,84,280 रुपए,ग्राम बेलगांव, तहसील सीतापुरः 60 बोरी (24 क्विंटल) मोटा धान, कीमत 74,400 रुपए, अनिल गुप्ता, अनिल ट्रेडर्स, ग्राम सलका, तहसील उदयपुर 60 बोरी (24 क्विंटल) पतला धान, कीमत 74400 रुपए है। कुल मिलाकर, इस जांच अभियान में विभिन्न गोदामों से 3177 बोरी (लगभग 1283 क्विंटल) धान जब्त किया गया है, जिसकी कुल कीमत 3073817 रुपए है। सभी मामलों में छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

जिले में दो रेत खदानों का सफलतापूर्वक ई-नीलामी से आबंटन

पोर्टल के माध्यम से लॉटरी प्रक्रिया में चुने गए अधिमानी बोलीदार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशन एवं अपर कलेक्टर सुनील कुमार नायक की अध्यक्षता में जिले की दो महत्वपूर्ण रेत खदानों, रेत खदान पोड़ीखुर्द एवं रेत खदान हर्रामार का आबंटन छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के तहत इलेक्ट्रॉनिक नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। तहसील अंबिकापुर अंतर्गत ग्राम पोड़ीखुर्द में खसरा नंबर 173, 174 के कुल रकबा 4.623 हेक्टेयर में से 3.00 हेक्टेयर क्षेत्र तथा तहसील मैनपाट के ग्राम हर्रामार में खसरा नंबर 1044 के रकबा 6.889 हेक्टेयर में से 4.00 हेक्टेयर क्षेत्र को ई-नीलामी के लिए निर्धारित किया गया था। नीलामी प्रक्रिया 24 नवंबर को सुबह 10 बजे आरंभ होकर 30 नवंबर को शाम 5:30 बजे तक चली। निविदा 01 दिसंबर 2025 को खोली गई, जिसमें रेत खदान पोड़ीखुर्द हेतु 27 बोलीदार, तथा हर्रामार रेत खदान हेतु 26 बोलीदार ने भाग लिया। सभी बोलीदारों की उपस्थिति में जिला स्तरीय समिति द्वारा प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। नीलामी में प्राप्त बोलियों में से रेत खदान पोड़ीखुर्द के लिए सुश्री तान्या शर्मा (निवासी अकलतरा, जिला जांजगीर-चांपा), रेत खदान हर्रामार के लिए श्री धीरेन्द्र कुमार सिंह को राज्य शासन द्वारा घोषित उच्चतम निर्धारित मूल्य (सिलिंग प्राइस) 205.00 रुपए के विरुद्ध 51.25 रुपए की न्यूनतम बोली प्रस्तुत करने पर पोर्टल में लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से अधिमानी बोलीदार घोषित किया गया। प्रशासन द्वारा पूरी नीलामी प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं ऑनलाइन प्रणाली पर आधारित की गई, जिससे जिले में रेत खदान संचालन में सुव्यवस्था एवं पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

बेटे की ठगी पर पिता का दो पन्नों का 'इकरारनामा'

सैकड़ों लोगों के पैसे डकारने वाले अशफाक को बचाने की कोशिश या समाज से बेदखली का डर?

- ठग का पिता अब बेटे पर ही मोर्चे पर....फरार अशफ़ाक उल्ला पर बढ़े सवाल...दो पन्नों का 'माफ़ीनामा' वायरल,क्या नई चाल है यह?
- जब ठगी चल रही थी तब पिता था साथ...आज बेटा फरार तो माफ़ीनामा तैयार...
- जमानत के बाद वादे...वादों पर भी ठगी...अब फरार अशफ़ाक के बचाव में पिता की नई रणनीति?
- पीड़ितों की पुकार पैसा दो या एफआईआर करो...भावुक पत्र से नहीं भरेंगे सैकड़ों परिवारों के जख्म...

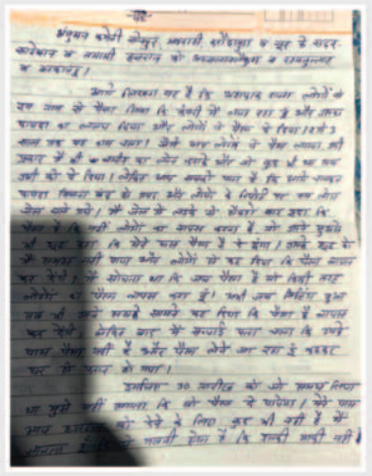

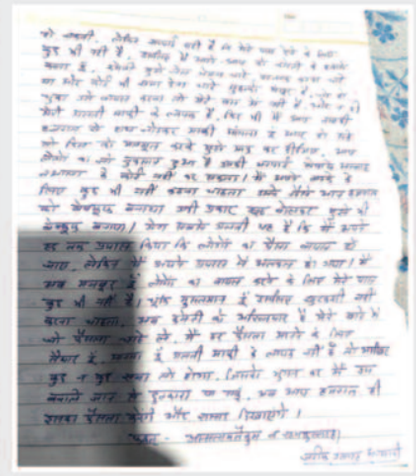

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,02 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जो पिता अपने पुत्र का बचाव करता था, वही आज अपने ही पुत्र को 'आरोपी' और 'धोखेबाज' सिद्ध करने में जुटा है, सरगुजा संभाग के चर्चित ठगी कांड में अशफ़ाक उल्लाह एक बार फिर सुर्खियों में है, और इस बार वजह उसका फरार होना ही नहीं, बल्कि उसके पिता का वह दो पन्नों का पत्र है, जो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। पत्र में पिता न सिर्फ अपने बेटे की ठगी स्वीकार कर रहे हैं, बल्कि सामाजिक कमेटी से माफ़ी मांगते हुए, बेटे की गलती की सजा तक भुगतने की 'तैयारी' जताते दिख रहे हैं। लेकिन बड़ा सवाल क्या यह पश्चाताप है या प्रतिष्ठा बचाने का नया खेल? बता दे की सरगुजा संभाग के चर्चित ठगी कांड में मुख्य आरोपी अशफ़ाक उल्लाह के फरार होने के बाद उसका दो पन्नों का पत्र और भी ज्यादा सवाल खड़े कर रहा है, यह पत्र अशफ़ाक ने नहीं...उसके पिता जरीफ़ उल्लाह ने लिखा है, जिसमें उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि मेरे बेटे ने लोगों का पैसा लिया...कंपनी में लगाया...लेकिन रिटर्न नहीं दे पाया...और मुझे भी धोखा दे गया,यह पत्र अब पूरे क्षेत्र में वायरल है, और लोग इसे ठगी केस का सबसे बड़ा 'टर्निंग पॉइंट' मान रहे हैं।

सैकड़ों लोगों की जमा पूंजी डकारने वाला 'अशफाक' फिर फरार,जमानत के बाद किए वादे भी जुमला हुआ साबित

22 वर्षीय अशफ़ाक पर आरोप है कि उसने लुभावने रिटर्न और तेज ब्याज के नाम पर शिवप्रसादनगर ही नहीं, दूर-दूर के ग्रामीणों तक को फंसाया, शिकायतें सैकड़ों में,लिखित आवेदन दर्जनों,अपराध पंजीबद्ध, 8-9 महीने जेल, और फिर जमानत, जेल से बाहर आने पर उसने पीड़ितों को भरोसा दिलाया सभी का पैसा लौटाया जाएगा,बस और एफआईआर मत करवाना, लेकिन इन वादों पर भी आखिरकार ठगी की शिकंजा कस गया और अशफ़ाक फिर से फरार, अब पीड़ितों में आक्रोश बढ़ गया है, और बचे हुए लोग भी एफआईआर करने की तैयारी में हैं।

माफ़ीनामा या मास्टरप्लान?

ठगी के खेल में नया पैंतरा...भावनात्मक पत्रों से अपराध धुल नहीं जाते,अशफ़ाक उल्ला का मामला सिर्फ ठगी का नहीं, विश्वास तोड़ने का, समाज को धोखा देने का,और भरोसे के नाम पर जाल बुनने का है, यह पूरा प्रकरण बताता है कि अपराध केवल अपराधी नहीं करता कई बार परिवार, समाज और सिस्टम की खामोशी भी साझेदार बन जाती है,आज पिता कह रहे हैं मैं भी ठगा गया...मैं माफी चाहता हूं...लेकिन ठगी के दौरान वर्षों तक यह आवाज़ क्यों नहीं उठी? क्या उन्हें बेटे की अचानक बनी कमाई पर शक नहीं हुआ? क्या इतनी बड़ी ठगी बिना घर वालों की अनदेखी के संभव थी? यह सच है कि हर पिता अपने बेटे के लिए झुकता है,पर समाज के पैसे की कीमत भावनात्मक खेल से नहीं चुकाई जा सकती,कानून का सरल सिद्धांत है ठगी हुई है तो पैसा वापस आए,अपराध हुआ है तो कार्रवाई हो,पत्र लिखकर,भावुक होकर, सामाजिक दया की भीख मांगकर कोई भी अपराध से मुक्त नहीं होता,अशफ़ाक का अपराध बड़ा है और उससे भी बड़ी बात यह कि जमानत के बाद दिए गए वादे भी जुमला साबित हुए,अब पीड़ितों का धैर्य टूट चुका है, पिता का माफ़ीनामा नहीं अशफ़ाक की गिरफ्तारी और पैसा वापसी ही समाज को न्याय दिला सकती है।

पिता ने खुद लिखा...मैं भी ठगा गया...लेकिन पीड़ित पूछ रहे... इतने साल तक क्या अंधे थे?

अशफ़ाक के बचाव में वर्षों तक खड़े रहे उसके पिता अब अचानक 'पीड़ित पिता' के रूप में सामने आए हैं, वायरल पत्र में उन्होंने लिखा बेटे ने मुझे भी धोखा दिया...समिति जो दंड दे, स्वीकार...समाज मुझे बेदखल न करे...लेकिन सवाल यही है जब अशफ़ाक लोगों से पैसा ले रहा था, रिटर्न के झांसे दे रहा था,लोग उसकी शिकायत कर रहे थे...तो क्या पिता को तब कुछ पता नहीं था? या यह पत्र उस समय का हथकंडा है जब बेटा जमानत से बाहर आया, फिर फरार हो गया, और अब नई एफआईआर की आहट तेज है, पीड़ितों ने सवाल उठाया है अब माफी क्यों? जब पैसा लिया जा रहा था तब रोक क्यों नहीं? कई पीड़ितों का दावा है कि पिता खुद कई बार अशफ़ाक के साथ मौजूद रहते थे, इसी वजह से लोग मान रहे हैं कि यह पत्र एक तरह की सामाजिक बचाव कवच है, न कि असली पछतावा।

पिता का 'माफ़ीनामा': सत्ता-समाज से बचने की नई कोशिश?

वायरल पत्र में पिता लिखते हैं बेटा उन्हें भी ठग गया, वह समाज से माफ़ी मांगते हैं, कमेटी जो सजा दे,उन्हें मंजूर, और यह भी कि वह स्वयं 'धोखा खाए हुए पिता' हैं, पर कहानी का दूसरा पक्ष लोगों के गले नहीं उतर रहा,क्यों? क्योंकि जिस समय अशफ़ाक लोगों को ठग रहा था...पिता उसी बेटे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे, न कोई विरोध, न कोई रोक-टोक, जिन आरोपों में आज वह बेटे से दूरी दिखा रहे हैं, उन्हीं आरोपों के समय पिता उसकी ढाल बने हुए थे।

सवालों की बौछार... पिता पर भी शक की आंच

- सवालः क्या पिता को पहले अपने बेटे की ठगी अच्छी लग रही थी?
- सवालः क्या वह बेटे के साथ आर्थिक लेन-देन में शामिल थे?
- सवालः क्या यह पत्र उनके सामाजिक प्रभाव और प्रतिष्ठा बचाने का हथकंडा है?
- सवालः क्या यह आगे एफआईआर न होने देने का दबाव-युक्त दांव है?
- सवालः क्या अशफाक को फरार कराने में परिवार की भूमिका की जांच होगी?

पीड़ितों का दर्द,वादे पर भी ठगी लग गई

लोगों की शिकायत है कि पहला धोखा पैसा देकर लगा,दूसरा भरोसा करके लगा,और तीसरा जमानत के बाद दोबारा झांसा देकर फरार होकर,अब ग्रामीणों की एक ही मांग या तो पूरा पैसा वापस,या फिर सख्त एफआईआर।

अशफ़ाक की तलाश तेज...नई एफआईआर की सुगबुगाहट

जिले की जांच एजेंसियां अब फिर से उसकी लोकेशन खोजने में लगी हुई हैं सूत्रों के अनुसार कुछ पीड़ित अब सामूहिक एफआईआर की तैयारी कर रहे हैं,अगर ऐसा हुआ अशफ़ाक की जमानत भी खत्म, और गिरफ्तारी भी तय।

समाज में बदनाम होने का डर या ठगी रोकने का दर्द?

पिता का माफ़ीनामा पढ़ने में तो पछतावा दिखता है, पर पीड़ितों का कहना है सजा बेटे को नहीं, समाज को झांसा देने की कला को मिलनी चाहिए और सबसे कड़क लाइन जब बेटा ठगी कर रहा था, पिता खामोश थे, आज बेटा फरार है, तो पिता भावनात्मक कवच पहनकर सामने हैं।

क्या पत्र का असली मकसद है...नए अपराध दर्ज होने से बचाव?

सूत्र बता रहे हैं अशफ़ाक पर अभी भी कई पीड़ितों की ओर से एफआईआर बाकी है,जमानत की शर्तें कठोर हैं, और नए अपराध दर्ज होने पर जमानत स्वतः निरस्त हो सकती है, ऐसे में पिता का अचानक 'बेटे से मोहभंग' और 'समाज से माफी' वाला पत्र रणनीति भी हो सकता है ताकि समाज उन्हें बेदखल न करे, लोग आगे शिकायत दर्ज न करें, और अशफ़ाक को थोड़ा 'सुरक्षित समय' मिल जाए, मगर पीड़ितों का कहना है...हम ठगे गए हैं, हमें भावनात्मक पत्र नहीं अपना पैसा चाहिए।

समाज की बड़ी बैठक...लोगों का सब्र टूटा,बहिष्कार की चेतावनी

स्थिति तब गंभीर हो गई जब क्षेत्र के दर्जनों लोग इकट्ठा हुए और एक सामाजिक बैठक बुलाई, बैठक में अशफाक उल्लाह और उनके पिता जरीफुल्लाह को भी बुलाया गया, ग्रामीणों ने उनसे स्पष्ट पूछा पैसा कब लौटाओगे? महीनों से आश्वासन ही क्यों दे रहे हो? पैसा लेने की योजना क्या धोखा थी? ग्रामीणों के अनुसार अशफाक और जरीफुल्लाह ने धीरे-धीरे पैसा देने का आश्वासन दिया, पर समुदाय ने इसे अस्वीकार कर दिया और कहा धीरे-धीरे नहीं, इतने समय बाद तुरंत भुगतान चाहिए, कम से कम एक करोड़ रुपये की तत्काल वापसी, इस पर अशफाक और जरीफुल्लाह ने 30 नवंबर तक समय मांगा,समाज ने यह समय सीमा स्वीकार की, पर अब यह समय भी बीत गया।

वादा पूरा नहीं...अब अशफाक लापता,क्षेत्र में तनाव बढ़ा

ग्रामीणों का कहना है कि 30 नवंबर की तय तारीख निकल गई,न तो कोई भुगतान हुआ, न ही किसी प्रकार का समाधान सामने आया,और अब अशफाक उल्लाह क्षेत्र से गायब बताया जा रहा है, इसी बीच अशफाक के पिता जरीफुल्लाह द्वारा एक लिखित पत्र जारी किया गया, जिसमें कहा गया हमारे पास किसी को भुगतान करने का कोई संसाधन नहीं बचा है, इस पत्र ने लोगों के आक्रोश को और बढ़ा दिया है।

ग्रामीणों का आरोप...यह सिर्फ ठगी नहीं,समाज के विश्वास से खिलवाड़

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मामला केवल आर्थिक नुकसान का नहीं है, बल्कि सामाजिक विश्वास टूटने का भी है, लोगों का कहना है कई परिवारों ने अपनी बचत लगाई, कुछ ने रिश्तेदारों से उधार लेकर निवेश किया, कुछ ने जमीन तक गिरवी रख दी, और अब वे हताश, ठगे और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, इसी कारण पूरे क्षेत्र में अब मांग उठ रही है कि समाज की कमेटी इस पर कड़ा निर्णय ले और दोषियों पर कठोर सामाजिक कार्रवाई की जाए।

आरोप-जवाब (फील्ड में उपलब्ध प्रतिक्रियाओं के आधार पर)

आरोप	आरोपी पक्ष (पत्र में लिखा संस्करण)
लोगों से करोड़ों रुपये ठगे	'गलती स्वीकार है,पर ठगने का इरादा नहीं था।'
पैसा दोगुना करने का झांसा	'मैंने सोचा था कि सबको फायदा मिलेगा पर असफल रहा।'
समय पर भुगतान नहीं किया	'मेरे पास पैसे नहीं थे,इसलिए वापस नहीं कर पाया।'
30 नवंबर की समय सीमा तोड़ी	'मैंने कोशिश की पर आर्थिक स्थिति बिल्कुल खराब थी।'
इलाके से लापता	इस पर पत्र में कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं

6 नकाबपोश बदमाशों ने ट्रक ड्राइवर से 13 लाख लूटे,पुलिस जांच में जुटी

-संवाददाता-
जशपुर,02 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में नकाबपोश बदमाशों द्वारा ट्रक ड्राइवर से 13 लाख रुपये लूटने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के बालाछापर का है, जहां गुड़ व्यापारी का कलेक्शन लेकर लौट रहे ट्रक ड्राइवर को कार सवार 6 बदमाशों ने बीच रास्ते रोक लिया। लघुशंका करने के लिए ट्रक से उतरते ही आरोपियों ने ड्राइवर से मारपीट शुरू कर दी और गोली मारने की धमकी देते हुए ट्रक में रखी पूरी रकम लेकर फरार हो गए। बता दें कि ट्रक क्रमांक सीजी 14 एमटी 6190 झारखंड रांची से जशपुर की ओर आ रहा था। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाके की नाकेबंदी की। पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है, लेकिन ड्राइवर के बयान में कई विरोधाभास मिलने के कारण पुलिस इस घटना को दो एंगल लूट और संभावित साजिश दोनों दृष्टिकोणों से जांच कर रही है। ड्राइवर पत्थलगांव के एक गुड़ व्यापारी का कलेक्शन लेकर लौट रहा था।

गाँव से नेशनल तक,मुकेश ने क्वान किंडो चैंपियनशिप में रचा इतिहास

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर के तेलसरा जैसे छोटे से गाँव से ताल्लुक रखने वाले मुकेश ने अपनी कड़ी मेहनत,जुनून और खेल के प्रति समर्पण की बदौलत एक बड़ा मुकाम हासिल किया है..हाल ही में अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम मल्टीप्लेक्स हॉल में 29 और 30 नवंबर को आयोजित दो दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय क्वान किंडो चैंपियनशिप में पूरे राज्य के लगभग 200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले इस टूर्नामेंट में 53 किलोग्राम भारवर्ग पुरुष में मुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया...मुकेश की इस जीत ने न सिर्फ उनके गाँव तेलसरा का मान बढ़ाया,बल्कि सूरजपुर जिले के खेल इतिहास में भी एक नई उपलब्धि जोड़ दी. स्वर्ण पदक के साथ ही अब मुकेश का चयन नेशनल क्वान किंडो चैंपियनशिप के लिए हो गया है, जो जल्द ही जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली है..यह अवसर मुकेश के लिए बड़े सपनों की ओर बढ़ने का पहला मजबूत कदम है...मुकेश वर्तमान में शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय, सूरजपुर में बी.ए. द्वितीय वर्ष का छात्र है.. पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मुकेश हमेशा अनुशासन और लगन को अपना हथियार मानते हैं...उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय का वातावरण उत्साह से भर उठा है.. शिक्षक,सहपाठी और मित्रों द्वारा उन्हें लगातार बधाइयाँ दी जा रही हैं...सभी को उम्मीद है कि जिस तरह मुकेश ने राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की है,उसी तरह वह राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे.. नेशनल चैंपियनशिप के लिए चयनित होने के बाद मुकेश इन दिनों लगातार अभ्यास में जुटे हुए हैं..वे जम्मू-कश्मीर में होने वाली प्रतियोगिता को लेकर बेहद उत्साहित हैं और तैयारियों में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते...उनका कहना है कि यह अवसर उनके जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है और वे पूरे जोश एवं आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं...छत्तीसगढ़ के उभरते खिलाड़ियों में मुकेश का नाम अब तेजी से उभर रहा है...सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने का जज़्बा ही उन्हें खास बनाता है...उनकी सफलता उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो छोटे गाँवों से निकलकर बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाने का सपना देखते हैं...मुकेश की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और मित्रों के लिए गर्व का विषय है,बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है...उम्मीद है कि आने वाले समय में मुकेश राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी काबिलियत का लोहा मनवाते हुए देश-प्रदेश का नाम और भी ऊँचा करेंगे।

धान खरीदी में हमाली वसूली का आरोप,नेता प्रतिपक्ष महंत बोले...अब नहीं चलेगा किसानों पर अत्याचार

धान खरीदी में हमाली वसूली पर सियासी घमासान...नेता प्रतिपक्ष ने सीएम साय को लिखा पत्र

-संवाददाता-
रायपुर/कोरिया,02 दिसंबर 2025(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी सीजन के बीच विपक्ष ने सरकार पर गंभीर हमला बोला है. नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने साय सरकार पर हमाली वसूली के मुद्दे पर हमला बोला है, नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखते हुए आरोप लगाया है कि धान खरीदी केंद्रों पर किसानों से ?7.50 प्रति क्विंटल की अवैध हमाली वसूली की जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने साय सरकार को दी चेतावनी

चरणदास महंत ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में ?220 करोड़ से अधिक की गैरकानूनी वसूली हुई है. यह बड़ा भ्रष्टाचार हैं, चरणदास महंत ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर हमाली वसूली तत्काल नहीं रोकी गई, तो कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन करेगी।

चरणदास महंत ने पत्र में क्या लिखा ?

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में हमाली वसूली का गंभीर आरोप लगाया है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि समर्थन मूल्य पर चल रही धान खरीदी के दौरान किसानों से जबरन ?7.50 प्रति क्विंटल की बोरा भराई वसूली की जा रही है. महंत ने बताया कि खरीदी केंद्रों पर किसानों को साफ कहा जाता है कि या तो वे सोसाइटी के बोरे में धान भरकर दें या फिर हमालों को अलग से नकद भुगतान करें,अन्यथा उनका धान नहीं खरीदा जाएगा।

साय सरकार में शुरू हुई वसूली

महंत ने यह आरोप भी लगाया कि 2023-24 में सरकार बदलने के बाद से यह अवैध वसूली शुरू हुई है, और यह अब तक जारी है, उन्होंने कहा कि किसानों पर इस तरह का आर्थिक बोझ डालना न सिर्फ गैरकानूनी है बल्कि किसान हितैषी नीतियों के विपरीत भी है, पत्र में महंत ने दावा किया कि वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान बोरा भराई के नाम पर कुल ?220.68 करोड़ की वसूली की गई है, यह बहुत बड़ा और गंभीर भ्रष्टाचार है, किसानों की मेहनत की कमाई से की गई यह गैरकानूनी वसूली जनता के साथ धोखा है।

किसानों से पैसे लेना गलतःमहंत

महंत ने पत्र में यह भी स्पष्ट किया कि बोरा भराई, तौल, सिलाई, छपाई, लोडिंग और स्टैकिंग जैसी सभी सेवाओं के लिए भारत सरकार प्रति क्विंटल ?22.05 पहले से ही राज्य को प्रदान करती है, इसका उल्लेख खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के 9 अक्टूबर 2025 के परिपत्र में भी है, ऐसे में किसानों से अलग से पैसा लेना पूरी तरह गैर कानूनी है, प्रदेशभर से मिली रिपोर्टों के हवाले से महंत ने बताया कि खरीदी केंद्रों में किसानों को धमकी दी जाती है कि यदि पैसे नहीं दिए तो उनका धान नहीं लिया जाएगा, इससे किसानों में भारी नाराजगी है और कई जगहों पर इस मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति भी बनी हुई है, धान खरीदी के मौजूदा सीजन में किसानों से अवैध वसूली बंद कराने के लिए तुरंत निर्देश जारी किए जाएं, हम सरकार को चेतावनी देते हैं कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी और इस कथित भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर जनता के बीच जाएगी।

धान खरीदी और हमाली फीस सियासी हंगामे के आसार

नेता प्रतिपक्ष के इस पत्र के सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गर्म होने के संकेत हैं, एक तरफ विपक्ष इसे किसानों की लूट बता रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार पर दबाव बढ़ गया है कि वह इस मुद्दे पर सफाई दे, छत्तीसगढ़ में धान सियासी मुद्दा शुरू से रहा है ऐसे में अब देखना होगा कि इस पर सरकार का क्या रुख होता है।

नशीले पदार्थ बेचने वालों को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की चेतावनी

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,02 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मनेंद्रगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में नशीला पदार्थ बेचने वालों को सख्त चेतावनी दी, मंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति हो, चाहे वह दुकानदार हो या पेडलर, नशीली पदार्थ बेचने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी,मंत्री जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ड्रग्स या नशीली दवाइयों को रोकने ड्रग्स कंट्रोलर और पुलिस के डीजीपी स्तर के अधिकारी,हेल्थ सेक्रेटरी, होम मिनिस्ट्री के साथ बातचीत हो चुकी है, इसके लिए दो टीम भी बन चुकी हैं, उन्होंने कहा कि नशीला पदार्थ बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी,इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है. जिसमें हम सफल होंगे।

नशीले पदार्थों को लेकर जागरूकता जरूरी-स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी ने कहा कि नशीली दवाइयों और इंजेक्शन को लेकर जन जागरूकता की जरूरत है। इसके दुष्परिणाम बहुत ही गंभीर हैं। यह न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि हमें नशीली पदार्थ के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी और इसे समाज से समाप्त करना होगा. स्वास्थ्य मंत्री कहा कि नशीले पदार्थ के खिलाफ लड़ाई में हम सभी को एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को नशीले पदार्थ के खतरों के बारे में जागरूक करना होगा और उन्हें इसके खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित करना होगा।

खून चढ़ाने या इंजेक्शन लगवाने पर रहे सतर्क- 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस पर जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पीजी कॉलेज ग्राउंड में किया गया, इस कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने भाषण में एड्स के आंकड़ों पर चिंता जताई, मंत्री ने कहा कि कभी भी अगर ब्लड चढ़ाते हैं तो इसकी अच्छी तरह से जांच कर लें, इसके अलावा इंजेक्शन लगवाने पर ये ध्यान रखे कि कही एक ही सीरिंज तो इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

मनेन्द्रगढ़ वन मण्डलाधिकारी ने पी सी सी एफ से मांगी भालू को टैंक्विलाइज करने की अनुमति

अनुमति मिलते ही भालुओं की जंगल वापसी तय

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर भालुओं को पकड़ने का खाका तैयार

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,02 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।

वन मंडल के रिहायशी इलाकों में उत्पाती भालुओं के आतंक के कारण पैदा हुई गंभीर स्थिति पर अब उच्च स्तरीय प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवालके सीधे निर्देश पर, वन विभाग ने एक मादा भालू और उसके दो शावकों को पकड़ने के लिए 'ऑपरेशन ट्रैंक्विलाइज' का खाका तैयार कर लिया है, वनमंडल अधिकारी मनेंद्रगढ़, मनीष कश्यप ने इस मानव-वन्यजीव संघर्ष को खत्म करने के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक को एक आपात पत्र लिखकर तुरंत भालुओं को बेहोश कर पकड़ने की अनुमति मांगी है।

डीएफओ का 'रेड अलर्ट': हमलावर हो रहे भालू

डीएफओ मनीष कश्यप द्वारा 2 दिसंबर को पीसीसीएफ को जारी किए गए आधिकारिक पत्र ने क्षेत्र में व्याप्त खतरे की भयावह तस्वीर पेश की है **भोजन की घुसपैठ** मनेंद्रगढ़ परिक्षेत्र में भालू रिहायशी इलाकों में भोजन की तलाश में घुसकर लोगों के घरों तक व कालोनी की सड़कों तक में विचरण कर रहे है,दहशत मादा भालू और उसके शावक प्रतिदिन सुबह 3 बजे तक लोगों के घरों के आसपास घूमते हैं,जिससे ग्रामीण लगातार भयभीत और जागते रहते हैं,**खतरनाक व्यवहार** डीएफओ कश्यप ने आगाह किया है कि खराब मौसम और बारिश के कारण ये भालू नर्वस हो गए हैं और हमलावर व्यवहार दिखा रहे हैं, जिससे मानव जीवन और संपत्ति को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। मंत्री का निर्देश, डीएफओ की तत्परता वनमंडल अधिकारी मनीष कश्यप ने इस समस्या के त्वरित समाधान के लिए पीसीसीएफ को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया है कि भालुओं को सुरक्षित पकड़ने के लिए ट्रैंक्विलाइजर टीम की आवश्यकता है। यह कदम मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के संज्ञान और निर्देश पर उठाया गया है, जो इस समस्या के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

अनुमति का उद्देश्य

पत्र में स्पष्ट रूप से मादा भालू और उसके 02 शावकों को पकड़ने के लिए Tranquilize करने की अनुमति मांगी गई है।

अगला चरण

पीसीसीएफ की मंजूरी मिलते ही, भालुओं को सुरक्षित पकड़ा जाएगा और उन्हें सुरक्षित घने जंगल में छोड़ा जाएगा ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष समाप्त हो सके, डीएफओ मनीष कश्यप ने इस ऑपरेशन की सूचना मुख्य वन संरक्षक, सरगुजा वृत और संभागीय अधिकारी (एकीकृत रेड), सरगुजा को भी दी है, जिससे समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। मनेंद्रगढ़ के भयभीत ग्रामीणों को अब उम्मीद है कि डीएफओ की यह तत्परता जल्द ही उन्हें इस आतंक से मुक्ति दिलाएगी।

बालको ने 'आरोग्य' परियोजना के अंतर्गत युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

-संवाददाता-
कोरबा,02 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी सामुदायिक विकास परियोजना 'आरोग्य' के अंतर्गत 2-दिवसीय 'युवा नेतृत्व एवं विकास मॉडल प्रशिक्षण' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम युवाओं को समुदाय में जिम्मेदार, जागरूक और सक्रिय स्वास्थ्य लीडर के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। दो दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में 80 से अधिक युवाओं को नेतृत्व विकास की विभिन्न अवधारणाओं से अवगत कराना था। प्रशिक्षण के प्रमुख विषयों में आत्म-जागरूकता एवं व्यक्तित्व विकास, भावनात्मक एवं तनाव प्रबंधन, प्रभावी संप्रेषण कौशल, समस्या-समाधान और निर्णय क्षमता,एचआईवी/एड्स एवं ट्यूबर क्लोसिस की रोकथाम,लक्षण पहचान और सामाजिक कलंक का उन्मूलन शामिल थे। आज भी एचआईवी/एड्स और टीबी जैसी बीमारियों में सामाजिक भ्रांतियों व्याप्त हैं,इसलिए विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक जानकारी, सुरक्षित व्यवहार,प्रारंभिक जांच और उपचार प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया। युवाओं को यौन स्वास्थ्य, सुरक्षित संबंधों और उसके रोकथाम उपायों के संबंधित प्रमाणिक जानकारी से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरकारी स्वास्थ्य विभागों के प्रमुख अधिकारी, डॉ. रविकांत सिंह राठौर (नोडल अधिकारी, एचआईवी/ एड्स कार्यक्रम), बी. आर. रात्रे (नोडल अधिकारी, टीबी कार्यक्रम) और वीना मिस्त्री (आईसीटीसी काउंसलर, जिला अस्पताल, कोरबा) ने सहभागिता कर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया। बालको एवं स्रोत (एनजीओ पार्टनर) तथा सरकारी स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त भागीदारी ने प्रशासन एवं बालको सामुदायिक विकास के सहयोगी स्वास्थ्य ढांचे को और मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सरकारी वरिष्ठ अधिकारियों और बालको सीएसआर नेतृत्व ने प्रशिक्षित युवाओं को अपने समुदायों, मित्र समूहों और परिवारों में एचआईवी/एड्स, टीबी और स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202512020700003

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2025-26

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार- सोनम गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार- कोई नही,

ज्ञापन

आवेदिका सोनम गुप्ता पति अनुप गुप्ता निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1789/187 रकबा 0.023 हे0 भूमि के ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है। अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उक्त संबंध में जांचकर सुनवाई दिनांक 26.12.2025 के पूर्व प्रस्तुत करना सुनिष्चित करें।

यह ज्ञापन मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

Name Change

I **DIPENDRA KUMAR HAYARAN** S/O, W/O, D/O **B.L. HAYARAN** Residence of PARIYOJNA COLONY SATTIPARA AMBIKAPUR hereby declare that have changed my name from **DIPENDRA KUMAR HAYARAN** S/O, W/O, D/O **B.L. HAYARAN TO DEEPENDRA HAYARAN** S/O, W/O, D/O **BABU LAL HAYARAN** In all the Government approved Identity proofs to be used for various purposes in the future.

Deponent
Name:-**DEEPENDRA HAYARAN**
Adress:-PARIYOJNA COLONY SATTIPARA, AMBIKAPUR, DISTRICT-SURGUJA (C.G.)

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग जशपुर जिला-जशपुर (छ.ग.)

निविदा निरस्तीकरण आदेश

आदेश क्र व.ले.लि. / 2025 - 26 / जशपुर दिनांक

मुख्य अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ) कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग शिवनाथ भवन नया रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) के पत्र पृ. क्रमांक 4263833 / निविदा प्रकोष्ठ / 2025 / 3000 (TC) / नया रायपुर, दिनांक 20.11.2025 के परिपालन में निविदा सूचना क. 04/व.ले.लि. / 2025-26 दिनांक 10.10.2025 निविदा सिस्टम क्रमांक 177445 (प्रथम आमंत्रण) (जी-252604126) चुन्दापाठ जलाशय योजना के 02 नग आर.सी.सी. स्लूस, 01 नग वेस्ट वियर, शीर्ष कार्य मे मिट्टी कार्य से नहर निर्माण, नहर का सी.सी. लाईनिंग 04 नग सी.डी. 07 नग व्ही. आर. बी. 03 नग फाल, 08 नग कोलाबा पाईप फिलिंग फिक्सिंग का निर्माण कार्य राशि रू. 447.16 लाख एवं मुख्य अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ) कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग शिवनाथ भवन नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) के पत्र पृ. क्रमांक 4263834/ निविदा प्रकोष्ठ /2025/2747(TC) / नवा रायपुर, दिनांक 06.11.2025 के परिपालन में निविदा सूचना क्र. 06/व.ले. लि. /2025-26 दिनांक 10.10 2025 (प्रथम आमंत्रण) निविदा सिस्टम क्रमांक 177452 (जी- 252604126) कोदोधारा जलाशय निर्माण कार्य राशि रू. 284.43 लाख हेतु एकल निविदाकार होने के कारण एतद द्वारा निरस्त किया जाता है
सहपत्रः- शून्य ।

जी नंबर-252605162/4

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, जशपुर (छ. ग.)
कृते - मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार
जल संसाधन विभाग अंबिकापुर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड- सूरजपुर जिला - सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना क्रमांक 15./ व.ले.लि./ का.अ./ लो.स्वा.यां.ख. / 2025
सूरजपुर,दिनांक 24.11.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र अ पर प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग छ0ग0 रायपुर के द्वारा दिनांक 01.07.2020 को जारी एस. ओ. आर व निविदा आमंत्रण तिथि तक एस. ओ. आर में हुए समस्त संशोधनों सहित लागू होगी, व लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है ।

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओड़गी के ग्राम भाड़ी एंव खड़ौली में सेनेटरी डगवेल का निर्माण कार्य सलंग्न शेड्यूल के अनुसार ।	16.14

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि 08.12.2025 है, एंव निविदा की अन्य शर्ते तथा कार्य की विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

जी नंबर-252605142/2

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202512020700002

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2025-26

गंगापुरखुर्द प.ह.न. 00021 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार- जगप्रीत कौर,,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक जगप्रीत कौर पिता रणजीत सिंह संघोत्रा निवासी खैरबार रोड घुटरापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम गंगापुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 219/10 रकबा 0.008 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/12/2025 को जारी किया जाता है।

सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी,जिला-सूरजपुर,छ.ग.

क्रमांक / 52 / वाचक / 2025
सूरजपुर, दिनांक- 26.11.2025

ईश्तहार

आवेदक गौरव पाटले आ. श्री राजेश पाटले एवं नीता साहू आ. जगनारायण साहू, निवासी ग्राम देवीपुर, साहूपारा, तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.) के द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 15 के तहत् आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, उम्र सत्यापन हेतु आधार कार्ड की प्रति, अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 17.12.2025 को दिन के 02:00 बजे उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि अवसान पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया गया जावेगा।

आज दिनांक- 26.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित ईश्तहार जारी किया गया।

सील
अपर कलेक्टर
एवं विशेष विवाह अधिकारी
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0... /अ-6/25-26
ग्राम- कंठी तहसील- दरिमा

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सुचित किया जाता कि- आवेदक उमेश्वर राजवाड़े आ0 बहादुर राजवाड़े जाति रजवार निवासी ग्राम मानिकप्रकाशपुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम कंठी प0ह0न0 03 रा0नि0मं0 सोहगा तहसील दरिमा में स्थित भूमि ख0न0 100/1, 105/2, 110, 115, 122/1, 156, 164, 165, 221/2, 222/2, 323, 558, 1257/2, 1258/2, 1259, 1263 रकबा 0.129, 0.234, 0.125 0.821 0.340, 0.291, 0.113, 0.077 हे0 भूमि का बी-1 एवं वर्तमान भूमि स्वामी बुधराम राजवाड़े की मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा दिनांक 03/04/2025 को की गयी पंजीकृत वसीयत नामा (अंतिम इच्छा - पत्र) की छाया प्रति संलग्न कर पंजीकृत वसीयत नामा (अंतिम इच्छा - पत्र) के आधार पर वाद भूमि में से आवेदक के नाना बुधराम को प्राप्त उसकी हिस्से की भूमि पर से राजस्व अभिलेख में मृतक का नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन प्राप्त है।

अतः उपरोक्त संबंध मे जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत किसी भी का दावा / आपत्ति प्राप्त होने पर इस पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 19/11 / 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी किया जाता है।

सील
नायब तहसीलदार
दरिमा

जल जीवन मिशन का 'जल' ही गायब!

80 गाँवों की प्यास बुझाने वाली योजना खुद प्यास से तड़प रही...5 करोड़ से अधिक खर्च, टंकियां अधूरी, पाइपलाइन बंद, पानी का अता-पता नहीं

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सोनहत,02 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

नल है तो जल नहीं, जल है तो नल नहीं जल जीवन मिशन के इन जमीनी हालातों ने इस पंचलाइन को कोरिया जिले में कड़वी सच्चाई बना दिया है, केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, जिसका उद्देश्य था हर गांव-हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना, आज कोरिया जिले के सोनहत व आसपास के क्षेत्रों में बदहाली, भ्रष्टाचार, लापरवाही और कागजी दावों की बलि चढ़ चुकी है, 80 ग्रामों के लिए बनी जल प्रदाय योजना और लगभग 5 करोड़ की 44 टंकियों का हाल यह है कि कई टंकियां अधूरी पड़ी हैं, कई की टोंटियां टूटी हैं, पाइपलाइन गायब सोर्स नहीं, मोटर नहीं, कनेक्शन अधूरा और जहां नल लगे हैं, वहां एक बूंद पानी तक नहीं, विभाग दावा करता है 15-17 गांव में पानी पहुंच रहा है लेकिन ग्रामीणों की सच्चाई इसके बिल्कुल उलट है।

4 पानी टंकियां...2 सालों में भी पूरी नहीं...कई गांवों में काम शुरू तक नहीं...

पीएचई विभाग ने दावा किया था कि सोनहत विकासखंड में 44 टंकियां तैयार होंगी और 80 गांवों में जल उपलब्ध होगा,पर जमीनी हकीकतः कई टंकियां आधी बनी छोड़ दी गईं,कई में दरारें आ गईं,कई का कनेक्शन ही नहीं,कई गांवों में काम शुरू भी नहीं हुआ,पुरानी टंकियां ही मजबूरी में उपयोग की जा रही हैं, यह स्थिति भ्रष्टाचार और ठेकेदार-अफसर गठजोड़ की ओर इशारा करती है।

सोनहत सबसे बुरा हालःनई टंकियां बनीं...कनेक्शन गायब...

सोनहत मुख्यालयः पानी की टंकी आधी बनते ही पुराने नल-ठीहे टूटे, पाइपलाइन खराब, कनेक्शन नहीं, 20 वार्ड में से सिर्फ 2-3 वार्ड में पुरानी टंकी से थोड़ा पानी, भुनिहारिपाराः 12 लाख से बनी बड़ी टंकी पर एक बूंद पानी नहीं, स्टेडियम ग्राउंड टंकीः कागज में चालूजमीन पर बंद, ओगईं, कैलाशपुरः 12 लाख की टंकियां एक दिन पानी आया, फिर बंद, ग्रामीण आज भी बाल्टी लेकर भटक रहे हैं।

रामगढ़...क्रेडा पीएचई से बेहतर, पर अधूरी व्यवस्था

रामगढ़ में सोलर प्लांट लगे, लेकिन टंकी नहीं, कुछ मुहल्लों में मोटर नहीं, कुछ में कनेक्शन टूटा, सिंघाड़ी पारा में पानी मिलता है, बाकी जगह हालात खराब यानी जहां क्रेडा थोड़ा बेहतर है, वहां भी व्यवस्था आधी-अधूरी।

कटगोड़ी...12 लाख की टंकियां, पर टोंटी से पानी नहीं

विभाग का दावा 15-17 गांव में पानी चल रहा...ग्रामीणों का जवाब'एक दिन आया,फिर बंद!

पीएचई कार्यपालन अभियंता ने दावा कियाः 15-17 गांव में पानी पहुंच रहा, क्रेडा को भुगतान न होने से 38 साइट में पंप नहीं, बाकी काम पूर्ण लेकिन ग्रामीणों के अनुसार पानी अनियमित, मोटर बंद, टोंटी सूखी, पाइपलाइन टूटी, टंकी जुगाड़ में यानी दावा और जमीन दोनों में जमीन-आसमान का फर्क।

जल जीवन मिशन 5 करोड़ में सिर्फ टंकियां,पानी कहीं नहीं!

सोनहत-बैकुंठपुर-कटगोड़ी-रामगढ़-भैसवार-पराडोल– हर जगह एक ही कहानी नल है तो जल नहीं... जल है तो नल नहीं... और जहां दोनों हैं–वहां पानी एक दिन आता है, फिर महीनों गायब, लोग पूछ रहे हैं पानी का क्या? 5 करोड़ किसने पी लिया? सरकार को अब चुनना होगा या तो पूरी जांच या टंकियां ऐसे ही सफेद हाथी बनकर खड़ी रहेंगी।

पराडोल,अकलासरई, भैसवार 12 लाख की टंकियां शो-पीस बनकर खड़ी

भैसवार, जामटिकराः टंकी बनी, पानी नहीं, अकलासरई-पराडोलः सिर्फ ढांचा खड़ा पाइपलाइन नहीं मोटर नहीं, बंशीपुर-कचोहरः क्रेडा ने पानी दिया पीएचई ने कनेक्शन ही नहीं लगाया।

सबसे बड़ा प्रश्नः क्या 5 करोड़ की टंकियों में 'पानी' से ज्यादा 'कमिशन' भरा गया?

ग्रामीणों का आरोपः बिना सोर्स देखे निर्माण शुरू कर दिया गया, पाइपलाइन बिछाने की जगह सिर्फ बिल पास हुए, मोटर लगे बिना टंकियों का भुगतान किया गया, काम अधूरा छोड़ ठेकेदार गायब, पीएचई विभाग सोया रहा सरकार बदली, पर जल जीवन मिशन की गड़बड़ियां जस की तस रहीं।

स्कूल आंगनबाड़ी में रनिंग वाटर भी फेल,4 साल से भुगतान अटका,सप्लायर कर्ज़ में डूबे

सोनहत के सप्लायर सूर्य प्रकाश साहू बताते हैं हमने सामग्री दी, पर 4 साल से 12 लाख का भुगतान नहीं हुआ, हमारे जैसे कई सप्लायर कर्ज़ में डूब गए हैं, शिकायतें दीं एसडीएम, सीईओ, कलेक्टर, कमिश्नर, सीएम पोर्टल तक... पर पैसा नहीं मिला, अधिकांश स्कूल-आंगनबाड़ी में: नल सूखे, पाइप टूटे,मोटर खराब बच्चे बूंद-बूंद के लिए तरस रहे।

कटगोड़ी समूह जल प्रदाय योजना ठप्प...

35 गांव प्यासे छोड़ दिए गए पूर्व सरकार में स्वीकृत कटगोड़ी समूह आधारित जल प्रदाय योजना अब निरस्त, इससे 35 गांव फिर से पानी समस्या में, करोड़ों फाइलों में दफन, लोग टैंकर और हैंडपंप पर निर्भर, ग्रामीणों की मांग सोनहत ब्लॉक में पीएचई कार्यालय खोला जाए, अधिवक्ता जयचंद सोनपाकर ने कहा ब्लॉक स्तर पर पीएचई ऑफिस नहीं, शिकायत के लिए लोगों को बैकुंठपुर जाना पड़ता है, अधिकारी सोनहत में रुकते तक नहीं,पूरा ब्लॉक 2-3 टेक्नीशियन के भरोसे है, ये स्थिति बताती है कि जल जीवन मिशन केवल कागजों में सफल है।

एमसीबी जिले के कछौड़ धान खरीदी केंद्र में किसानों का बढ़ा आक्रोश,टोकन सीमा और मनमानी को लेकर की जमकर नारेबाजी

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़/केल्हारी,02 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के कछौड़ धान खरीदी केंद्र में खरीफ वर्ष 2025-26 की धान खरीदी प्रक्रिया किसानों की परेशानी और आक्रोश का केंद्र बनी हुई है। 15 नवंबर से प्रारम्भ हुई धान खरीदी के दौरान राज्य सरकार द्वारा प्रति क्विंटल ?3100 की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का वादा किया गया था, किंतु ज़मीनी स्तर पर किसानों को केवल 15 क्विंटल प्रति एकड़ के टोकन जारी किए जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि टोकन कटवाने के समय ही अधिकतम 15 क्विंटल की सीमा थोप दी जा रही है, जिससे वास्तविक उपज का बड़ा हिस्सा बिक नहीं पा रहा है। यह स्थिति किसानों की आर्थिक स्थिति को सीधे प्रभावित कर रही है।

पूर्व विधायक ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने भी खरीदी केंद्र में बारदानों की कमी को मुख्य कारण बताते हुए कहा कि यह प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने किसानों की समस्याओं को लेकर लगातार प्रशासन से सवाल जवाब उठाए हैं। वही किसानों का कहना है कि स्थानीय प्रशासन केल्हारी द्वारा 15 क्विंटल से अधिक के टोकन जारी करने पर मौखिक रोक लगा दी गई है,जिससे उनकी नाराज़गी और बढ़ गई है।

कछौड़ खरीदी केंद्र में कांग्रेस ने सुनी किसानों की पीड़ा

किसानों की बढ़ती समस्याओं और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर आज धान खरीदी केंद्र कछौड़ में जिला मीडिया प्रभारी कांग्रेस पार्टी संदीप द्विवेदी के नेतृत्व में किसानों की बैठक आयोजित की गई,इस दौरान बड़ी संख्या में किसान उपस्थित हुए और अपनी समस्याओं को विस्तार से रखा। किसानों की पीड़ा सुनने के बाद उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों ने प्रबंधन के रवैये पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया, किसानों की मांगों और शिकायतों को संकलित कर एसडीएम केल्हारी को औपचारिक ज्ञापन भी सौंपा गया, जिसमें प्रति एकड़ 21 क्विंटल के सरकारी वादे के अनुसार तुरंत टोकन जारी हों, खरीदी केंद्र में बारदाना उपलब्ध कराया जाए साथ ही नमी जांच के नाम पर की जा रही मनमानी रोकी जाए सबन्धी मांगे रखी गई।

किसानों की समस्या का हो निराकरण

किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने कहा कि कछौड़ धान खरीदी केंद्र की स्थिति यह स्पष्ट करती है कि प्रशासन और किसानों के बीच समन्वय की भारी कमी है,किसान जहां अपनी उपज बेचने को लेकर चिंतित और परेशान हैं, वहीं प्रशासनिक स्तर पर संवेदनशीलता और तत्परता नहीं दिखाई दे रही, किसानों की उम्मीद है कि ज्ञापन के बाद प्रशासन जल्द निर्णय लेकर वास्तविक समस्याओं का समाधान करेगा,ताकि धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी बन सके।

क्या है किसानों का आरोप

1 नमी जांच में अनावश्यक सख्ती

2 खरीदी प्रक्रिया में जानबूझकर देरी

3 केंद्र में बारदानों की भारी कमी

4 किसानों के साथ सही व्यवहार नही

5 टोकन जारी करने में मनमानी

गेवरा खदान में हादसों पर लगाम लगाने के लिए किया जा रहा सात दिन का 'धार्मिक अनुष्ठान'

-संवाददाता-

कोरबा,02 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल् इंडिया की अनुसांगिक कंपनी एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की मेगा परियोजना साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की कोरबा जिले में स्थित खदानों में लगातार हो रहे हादसों से कंपनी को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कंपनी की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजना गेवरा खदान में भी दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या चिंता का विषय बनी हुई है। हादसों में कमी लाने के लिए सभी तकनीकी प्रयास जब विफल रहे, तो प्रबंधन ने अब एक अनोखा रास्ता अपनाया है। जानकारी के अनुसार, गेवरा परियोजना में अगले सात दिनों के लिए एक विस्तृत धार्मिक अनुष्ठान शुरू किया गया है। तमाम स्तर पर चर्चा के बाद यह 'आध्यात्मिक उपचार' तय किया गया है। अधिकारियों का मानना है कि जब तकनीकी फैक्टर स्थितियों को नियंत्रित नहीं कर पाते, तब सकारात्मक माहौल बनाने और स्थितियों को नियंत्रण में लाने के लिए कुछ गैर-तकनीकी उपायों को अमल में लाना आवश्यक हो जाता है।

आवश्यकता है
दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें।
स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।
पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना
शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर
छत्तीसगढ़, मो.नं. - 98265-32611

1.5 करोड़ की है सामंथा रुथ प्रभु की वेडिंग रिंग

फरवरी में ही राज निदिमोरू संग हो गई थी सगाई?

पुष्पा फेम और जानी मानी एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरू शादी के बंधन में बंध चुके हैं। पूरे रीति-रिवाजों के साथ दोनों ने शादी की है। हालांकि ये शादी बेहद प्राइवेट रखी गई और शादी की जानकारी सिर्फ कुछ ही वक्त पहले आई। शादी जब हुई तो हर तरफ ये सवाल आया कि आखिर में दोनों के बीच प्यार की शुरूआत कब हुई और हुई तो क्या इससे पहले दोनों इंगेजमेंट कर चुके थे। आइए आपको बताते हैं इसी के पीछे की कहानी...

फरवरी में ही हो गई थी राज-सामंथा की सगाई

दरअसल शादी के वक्त ही अब सोशल मीडिया पर ये भी कहा जा रहा है कि दोनों ने भले ही शादी अब की हो लेकिन दोनों ने प्यार को लॉक इसी साल फरवरी में ही कर दिया था। हुआ ये कि सोशल मीडिया पर फिलहाल कई तस्वीरें हैं, जो वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में सामंथा रुथ प्रभु नजर आ रही हैं और साथ ही नजर आ रही है वो अंगूठी जो सामंथा की इंगेजमेंट रिंग है। इसी साल फरवरी 2025 में 13 फरवरी के दिन

सामंथा रुथ प्रभु और राज निदिमोरू शादी के बंधन में बंध चुके हैं। लेकिन अब हर तरफ सवाल उठ रहा है कि क्या वाकई में दोनों काफी पहले ही सगाई कर चुके थे। इसके सबूत सोशल मीडिया पर मिल रहे हैं।

यानि वैलेंटाइन डे से ठीक एक दिन सामंथा ने इस तस्वीर को पोस्ट किया था। इस पोस्ट में सामंथा के इंगेजमेंट फिंगर में वही अंगूठी नजर आ रही है जो शादी की तस्वीरों में नजर आई है। इस तस्वीर के आने के बाद से कहा जा रहा है कि दोनों सगाई काफी पहले ही कर चुके थे।

करोड़ों की है सामंथा की इंगेजमेंट रिंग?

अब यूजर्स ने सोशल मीडिया पर जब ये तस्वीरें देखीं, तो वो समझ गए कि राज और सामंथा के प्यार की शुरूआत काफी पहले ही हो गई थी और दोनों की शादी की तैयारियां भी काफी पहले से ही कर रहे थे। दोनों की सगाई भी पहले ही हो चुकी थी। हालांकि ये बात सामने नहीं आई।

वहीं इंगेजमेंट रिंग वायरल होने के बाद अब इसकी प्राइज को लेकर भी चर्चा हो रही है। एनटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक,सेलिब्रिटी ज्वैलरी एक्सपर्ट प्रियांशु गोयल ने बताया है कि सामंथा की वेडिंग रिंग करीब 1.5 करोड़ की है। लॉन्ग कट डायमंड वाली ये अंगूठी बेहद अलग तरह की है और इसीलिए ये इतनी महंगी है। हालांकि यह अंगूठी पूरी तरह से सिंपल ही है लेकिन इसकी कीमत इतनी ही बताई जा रही है। सामंथा और राज पिछले काफी लंबे वक्त से डेट कर रहे थे। 1 दिसंबर को दोनों ने कोयंबटूर के सदगुरू आश्रम में शादी की। इस शादी में महज 30 मेहमान ही शामिल हुए थे और शादी को बेहद प्राइवेट रखा गया था। शादी में सामंथा रेड कलर की साड़ी में नजर आई तो वहीं राज ने सफेद कुर्ता पायजामा और बेज वेसकोट को पहना, जिसमें दोनों काफी खूबसूरत लग रहे थे। राज से पहले सामंथा ने साल 2017 में एक्टर नागा चैतन्य से शादी की थी लेकिन साल 2021 में दोनों का तलाक हो गया था। वहीं राज भी अपनी पहली पत्नी से अलग हो चुके हैं।

कभी चिप्स बेचकर गुजारा करता था बॉलीवुड का ये दिग्गज

41 साल की उम्र में डेब्यू कर फिल्मों में छाया ये एक्टर

कभी चिप्स बेचे और टेबल सर्व किया, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कहीं ज्यादा बड़ी स्क्रिप्ट तैयार कर रखी थी। 44 साल की उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया और कई आइकॉनिक रोल निभाए, आज 66 की उम्र में भी यह दिग्गज एक्टर इंडस्ट्री में एक्टिव हैं।

जो एक्टर्स आज फिल्म इंडस्ट्री में सफल हैं उन्होंने से ज्यादातर ने अपने करियर की शुरुआत 20 की उम्र के आसपास कर ली होगी। ज्यादातर लोग अक्सर बताते हैं कि काफी लंबे वक्त तक स्ट्रगल करने के बाद उन्हें फिल्मों में सफलता मिली। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे एक्टर के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्होंने 41 साल की उम्र में फिल्मों में डेब्यू किया और कई यादगार रोल निभाए जिनमें से कुछ आईकॉनिक भी बन गए।

चिप्स बेचकर किया गुजारा

बॉलीवुड के सबसे सुलझे हुए और वर्सेटाइल एक्टर्स में से एक इस दिग्गज एक्टर ने सिनेमा में आने से बहुत पहले कई काम किए। एक पारसी परिवार में जन्मे उन्हें अपने गुजर चुके पिता की छोटी सी दुकान विरासत में मिली, जो असल में एक बेकरी थी, जहां वे चिप्स और फाफड़ा बेचते थे। एक्टर बनने से पहले वे घर चलाने के लिए अपने माता-पिता की बेकरी संभालते थे। इस दौर ने उन्हें बहुत प्रभावित किया और उन्हें रोजमर्रा की सच्चाई से जोड़े रखा। जब वे बहुत छोटे थे, तब उनके पिता गुजर गए, और उनकी मां ने अकेले ही परिवार को पाला।

डिस्लेक्सिया से जुझे, ताज होटल में किया काम

बचपन में वे दूसरों से काफी अलग थे। उन्हें पढ़ाई में ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी और वे डिस्लेक्सिया से जूझ रहे थे, जिसके कारण अक्सर लोग उनका मजाक उड़ाते थे। लेकिन उनकी मां ने कभी हार नहीं मानी, उन्होंने उन्हें स्पीच थेरेपी के लिए भेजा, जिससे उन्हें धीरे-धीरे अपनी मुश्किलों से उबरने में मदद मिली। होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने मुंबई के मशहूर ताज होटल में काम किया। इस नौकरी ने उन्हें प्रोफेशनलिज्म, सब्र और हर तरह के लोगों से बातचीत करना सिखाया।

कौन हैं ये दिग्गज एक्टर

हालांकि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था इसीलिए तमाम अलग-अलग कामों के बाद उन्हें अपनी असली मंजिल मिली और उन्होंने एक्टिंग में कदम रखा। हम बात कर रहे हैं वर्सेटाइल एक्टर बोमन ईरानी की। 2001 में वे इंग्लिश भाषा की फिल्मों एवरीबडी सेज आई एम फाइन और लेट्स टॉक में दिखे, लेकिन उन्हें सफलता 2003 में मुन्ना भाई एमबीबीएस से मिली। खास बात यह है कि उन्होंने 40 की उम्र के बाद फिल्मों में डेब्यू किया और सफलता हासिल की। राजकुमार हिरानी की फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस में डॉ. अस्थाना के रोल में उनकी एक्टिंग ने उन्हें रातों-रात मशहूर कर दिया था। उन्होंने संजय दत्त और सुनील दत्त जैसे लीड रोल से भी ज्यादा सुर्खियां बटोरीं।

उन्होंने खोसला का घोसला, ओए लकी लकी ओए और 3 इडियट्स जैसी मशहूर फिल्मों में काम किया। 2 दिसंबर को वर्सेटाइल और पसंदीदा एक्टर बोमन ईरानी का जन्मदिन है, जिनका चिप्स बेचने से लेकर स्टारडम तक का सफर लाखों लोगों को इंस्पायर करता है।

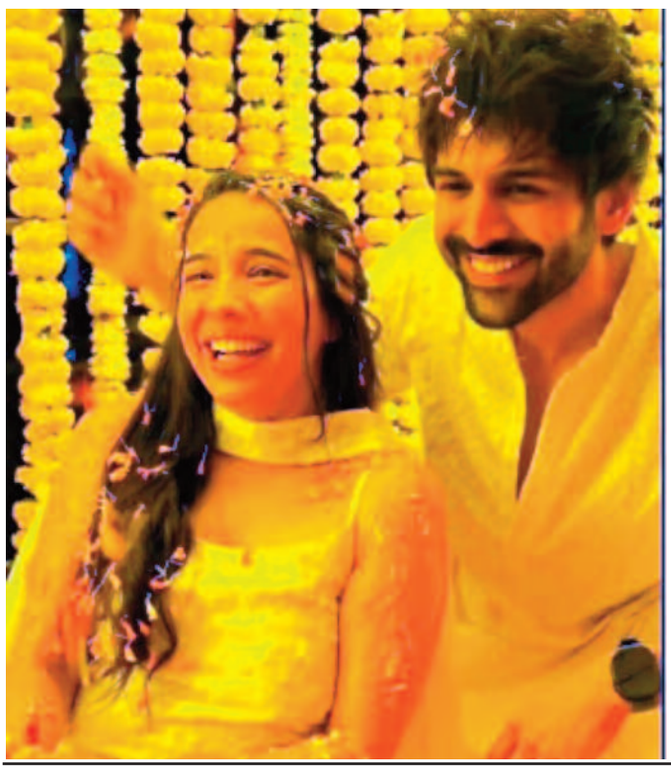

बहन की हल्दी में कार्तिक आर्यन हुए इमोशनल

कजरा रे गाने पर किया जमकर डांस

कार्तिक आर्यन की बहन कृतिका तिवारी शादी के बंधन में बंध रही हैं। ऐसे में कार्तिक बड़े भाई की तरह सारी जिम्मेदारियां निभाने में लगे हुए हैं।

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्मों के चलते काफी व्यस्त चल रहे हैं। इसी बीच अब कार्तिक के घर में शादी आ गई है और कार्तिक इस वक्त शादी जुड़े सभी फंक्शन्स में बिजी चल रहे हैं। दरअसल कार्तिक की बहन कृतिका तिवारी शादी के बंधन में बंध रही हैं। ऐसे में कार्तिक बड़े भाई की तरह सारी जिम्मेदारियां निभाने में लगे हुए हैं।

बहन की हल्दी में कजरा रे पर थिरके कार्तिक

घर में शादी का माहौल है और ऐसे में कार्तिक अपनी बहन कृतिका तिवारी की शादी में जमकर थिरक भी रहे हैं और इसका सबूत मिला है एक वीडियो से, जो इस वक्त सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। दरअसल एक वीडियो सामने आया है।इस वीडियो में कार्तिक ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन और अमिताभ बच्चन के हिट सॉन्ग कजरा रे पर थिरकते हुए नजर आ रहे हैं। कार्तिक की बहन कृतिका की हल्दी सेरेमनी का ये वीडियो बताया जा रहा है, जिसमें कार्तिक ने खूब डांस किया है।

कार्तिक ने बहन को लगाई हल्दी

एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कार्तिक आर्यन बहन कृतिका (किट्टू) को हल्दी लगाते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में कार्तिक बहन अपने भाई को देखते हुए मुस्कुराती नजर आ रही हैं। हालांकि कार्तिक भी अपने इमोशन्स को छिपाते हुए बहन को हल्दी लगा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है, तो वहीं एक वीडियो में कार्तिक की मम्मी और उनकी बहन भी नजर आ रही हैं। कार्तिक ने अपने बिजी शेड्यूल से ब्रेक लिया है,क्योंकि भाई होने के सारे फर्ज अपनी बहन की शादी में निभा रहे हैं। बताया गया है कि कृतिका के वेडिंग फंक्शन्स इन दिनों ग्वालियर में चल रहे हैं और कार्तिक अपने पूरे परिवार के साथ वक्त बिताते नजर आ रहे हैं। वहीं करियर की बात करें तो कार्तिक जल्द ही तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी में दिखने वाले हैं। फिल्म में कार्तिक के साथ अनन्या पांडे भी नजर आएंगीं। फिल्म का प्रमोशन अब शुरू हो चुका है। बहन की शादी के बाद कार्तिक तुरंत प्रमोशन्स में जुट जाएंगे।

हिंदुस्तान की हानिया आमिर है ये एक्ट्रेस

14 साल पहले बॉबी देओल की फिल्म में आई थी नजर

देओल फैमिली की सुपरहिट फिल्म यमला पगला दीवाना फैंस की फेवरेट मानी जाती है। इस मूवी में धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल ने अहम भूमिका निभाई। फिल्म की कहानी ने हर किसी का दिल जीता। इस मूवी में बॉबी देओल की हीरोइन का लुक एक्ट्रेस कुलराज रंधावा ने निभाया था, जो मूल रूप से पंजाबी एक्ट्रेस हैं। 14 साल पहले आई यमला पगला दीवाना से जोरदार एंट्री मारने वालीं कुलराज का लुक अब पूरी तरह से बदल गया है। लेकिन ब्यूटी के मामले में वह पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर से दो कदम आगे हैं। आइए एक नजर कुलराज की लेटेस्ट तस्वीरों पर डालते हैं।

फिल्म यमला पगला दीवाना में अभिनेत्री कुलराज रंधावा ने साहिबा का किरदार निभाया था। इस रोल में उन्होंने अपनी कमाल की एक्टिंग से हर किसी का दिल जीता। खूबसूरती के मामले में कुलराज का कोई मुकाबला नहीं है। 42 साल की कुलराज रंधावा असल जिंदगी में कितना ज्यादा ब्यूटीफुल हैं, उसका अंदाजा आप उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर मौजूद लेटेस्ट तस्वीरों को देखकर आसानी से लगा सकते हैं। कुलराज रंधावा किसी अप्सरा से कम नहीं लगती हैं, उनकी ब्यूटी देखने के बाद ये कहा जा सकता वह हिंदुस्तान की हानिया आमिर हैं और उनकी झील जैसी आंखों को देख हर कोई उनका दीवाना बन जाए। गौर किया जाए कुलराज रंधावा के फिल्मी करियर की तरफ तो यमला पगला दीवाना के अलावा वह कई हिंदी मूवीज में नजर आईं, जिनके नाम इस प्रकार हैं-

जाने भी दो यारों,यमला पगला दीवाना, चार दिन की चांदनी,ओये मामू

हालांकि, बतौर एक्ट्रेस कुलराज रंधावा का एक्टिंग करियर ज्यादा लंबा नहीं चला। यमला पगला दीवाना को छोड़ दिया जाए तो कुलराज की अन्य कोई हिंदी फिल्म सफल नहीं रही। हालांकि, पंजाबी सिनेमा में अभिनेत्री का कद काफी ऊंचा रहा है और उन्हें वहां की लेडी सुपरस्टार कहा जाता है।

24 नवंबर को दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हो गया था। उनकी मौत पर कुलराज रंधावा ने शोक जताया था और यमला पगला दीवाना के सेट की एक तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर कर एक्टर के श्रद्धांजलि अर्पित की।

खेल-समाचार

जनवरी में श्रीलंका दौरे पर जाएगा पाकिस्तान

» टी-20 वर्ल्ड कप से पहले 3 मुकाबले खेलेगा

» आईसीसी टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरू होगा

पेशावर,02 दिसम्बर 2025। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान टीम श्रीलंका में 3 मुकाबले खेलेगी। आईसीसी टूर्नामेंट की तैयारी को देखते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने यह फैसला लिया। टूर्नामेंट 7 फरवरी से श्रीलंका और भारत में ही होना है। पाकिस्तान ग्रुप स्टेज में अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में ही खेलेगा।

5 दिन में 3 मैच होंगे

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 7, 9 और 11 जनवरी को दाम्बुला में 3 टी-20 होंगे। दोनों टीमों ने नवंबर में ही पाकिस्तान में टी-20 ट्राई सीरीज भी खेली थी। यहां तीसरी टीम जिम्बाब्वे थी। पाकिस्तान को ग्रूप स्टेज में इकलौती हार श्रीलंका से ही मिली थी, हालांकि टीम ने फाइनल जीतकर हिसाब बराबर कर लिया था।

8 मार्च तक चलेगा वर्ल्ड कप

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। श्रीलंका में 2 शहरों के 3 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। वहीं भारत में अहमदाबाद, कोलकाता, मुंबई, दिल्ली और चेन्नई में मैच खेले जाएंगे।

नीदरलैंड से पहला मैच खेलेगा पाकिस्तान

श्रीलंका में 3 टी-20 की सीरीज पाकिस्तान के लिए बेहतरीन तैयारी का मौका है। क्योंकि टीम को आईसीसी टूर्नामेंट में अपने सभी मैच श्रीलंका में ही खेलने हैं। उनका पहला मैच नीदरलैंड और दूसरा अमेरिका से होगा। 15 फरवरी को कोलंबो में टीम का सामना भारत से होगा, फिर नामीबिया से चौथा मैच रहेगा। अगर पाकिस्तान ने नॉकआउट राउंड में एंट्री की तो ये मुकाबले भी श्रीलंका में ही होंगे। श्रीलंका भी अपने सभी मैच होमग्राउंड पर ही खेलेगा। क्योंकि श्रीलंका क्रिकेट टी-20 वर्ल्ड कप का को-होस्ट है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया,ओमान, जिम्बाब्वे और आयरलैंड के ग्रूप में रखा गया। ये टीमें भी ग्रूप स्टेज में अपने सभी मैच श्रीलंका में ही खेलेंगी।

राजरूप सरकार एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 के लिए भारत की योग्यता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

उदयपुर,02 दिसम्बर 2025। जिंक फुटबाल अकादमी के गोलकीपर राजरूप सरकार, जो सिर्फ 16 साल के हैं, ने भारत की अंडर-17 राष्ट्रीय टीम को एएफसी अंडर-17 एशियन कप 2026 के लिए क्वालीफाई कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत ने अहमदाबाद में दिग्गज आई.आर. ईरान पर 2-1 की शानदार जीत के साथ महाद्वीपीय चैम्पियनशिप में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया, जिससे देश की उभरती युवा प्रतिभाओं के शानदार प्रदर्शन का समापन हुआ। राजरूप,जिन्होंने भारत के सभी महत्वपूर्ण ग्रुप मैचों में शुरुआत की, अपनी संयमित उपस्थिति, तेज़ रिफ़्लेक्स और असाधारण शॉट-स्टॉपिंग क्षमता से पूरे क्वालीफ़ायर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एआईएफएफ की एक विज्ञप्ति के अनुसार, ईरान, लेबनान, फिलिस्तीन और चीनी ताइपे के ख़िलाफ़ दबाव भरे क्षणों में उनका योगदान महत्वपूर्ण साबित हुआ, जिससे भारत ने एशिया की प्रमुख युवा प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक यादगार दौर पूरा किया। ज़किं फ़ुटबॉल अकादमी से निकले राजरूप, ज़ावर स्थित आवासीय कार्यक्रम में एक युवा किशोर के रूप में शामिल हुए और तेज़ी से आगे बढ़े। अकादमी की विश्वस्तरीय कोचिंग,शैक्षिक सहायता और तकनीकी प्रशिक्षण मॉडल के तहत, वह देश के सबसे होनहार युवा गोलकीपरों में से एक बन गए। 2024-25 एआईएफएफ अंडर-17 यूथ लीग में उनके प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय टीम के शिविर में शामिल होने का मौका दिलाया। उन्होंने कड़ी मेहनत की और अब उच्चतम स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अपना सपना पूरा कर लिया है।

कीर्तना ने केआईयूजी के 100 मीटर के दौड़ में स्वर्ण पदक जीता

जयपुर,02 दिसम्बर 2025। हर एथलीट के जीवन में एक ऐसा पल आता है जो उनके संघर्ष को दर्शाता है। कीर्तना के लिए, वह पल जयपुर में आया,जहाँ उडुपी में जन्मी इस धावक ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) राजस्थान 2025 में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में 11.94 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता । यह एक ऐसी जीत थी जिसके लिए सालों लग गए। जैन

विश्वविद्यालय में मास्टर ऑफ कॉमर्स की द्वितीय वर्ष की छात्रा, कीर्तना ने स्विमिंग पूल के बाहर विश्वविद्यालय के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता, जिससे सर्किट की सबसे रोमांचक युवा धावकों में से एक के रूप में उनकी पहचान स्थापित हुई। लेकिन केआईयूजी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रैक पर इस शानदार प्रदर्शन के पीछे व्यक्तिगत असफलताओं और अडिग दृढ़ता की कहानी छिपी है।

पूर्व इंग्लिश बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का 62 वर्ष की आयु में निधन

हैम्पशायर,02 दिसम्बर 2025। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन स्मिथ का सोमवार को 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया, हैम्पशायर क्रिकेट ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। हैम्पशायर क्रिकेट के एक बयान में कहा गया, हैम्पशायर क्रिकेट पुष्टि कर सकता है कि रॉबिन स्मिथ का 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके परिवार की ओर से जारी एक बयान में सोमवार, 1 दिसंबर 2025 को उनके निधन की घोषणा की गई है। हैम्पशायर क्रिकेट रॉबिन के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

स्नेह राणा ने विश्व कप जीत के लिए महाकाल को धन्यवाद दिया

उज्जैन,02 दिसम्बर 2025। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 विजेता टीम की सदस्य भारतीय क्रिकेटर स्नेह राणा ने मंगलवार को उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में सुबह की आरती की और भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद आभार व्यक्त किया। आशीर्वाद लेने के बाद राणा ने कहा कि विश्व कप के दौरान टीम से किया गया वादा पूरा करने के बाद वह इस पवित्र तीर्थस्थल पर लौटकर धन्य महसूस कर रही हैं। मुझे यहाँ आकर बहुत अच्छा लगा। यहाँ काम करने वाले सभी लोगों ने बहुत बढ़िया व्यवस्था की थी। पिछली बार जब हम विश्व कप के दौरान यहाँ आए थे, तो हमने महाकाल जी के दर्शन किए थे और ट्रॉफी वापस लाने का वादा किया था। हमने ऐसा ही किया और आज मैं वापस आ गया हूँ। महाकाल जी ने मुझे फिर से बुलाया है और मुझे उम्मीद है कि वे मुझे बार-बार बुलाते रहेंगे और हम भारत के लिए ऐसी ही ट्रॉफियाँ जीतते रहेंगे।

बीजेपी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की

किरणदेव की टीम में 117 पदाधिकारी...इनमें सिर्फ 9 महिलाएं

रायपुर,02 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने विधानसभा प्रभारी, जिला प्रभारी और प्रकोष्ठ में 117 पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव की नई टीम में 117 में से 108 पद पुरुषों को दिए गए हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ 9 पद मिले हैं। जारी लिस्ट के मुताबिक 36 विधानसभा में से केवल एक विधानसभा में महिला नेत्री को प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह से प्रकोष्ठों में 2 और जिलों में 6 महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। हालांकि युवाओं, अनुभवी नेताओं और संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी गई है। वहीं जिला संगठन की बात करें तो प्रभारी और सह प्रभारियों की भी नियुक्तियां की गई हैं। इनमें रायपुर शहर की जिम्मेदारी राजेंद्र शर्मा और रायपुर ग्रामीण की कमान सुरेंद्र पाटनी को दी गई है। वहीं बिलासपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी प्रबल प्रताप जूदेव को सौंपी गई है। इसके साथ ही निगम मंडल में अध्यक्ष की कमान संभाल रहे भूपेंद्र सवन्नी, केदारनाथ गुप्ता और संजय श्रीवास्तव का संगठन में कद बढ़ाया गया है। इन्हें विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सवन्नी और केदारनाथ को विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी

वहीं निगम मंडल में अध्यक्ष की कमान संभाल रहे भूपेंद्र सवन्नी, केदारनाथ गुप्ता और संजय श्रीवास्तव का संगठन में कद बढ़ाया गया है। पार्टी ने भूपेंद्र को जांजगीर-चांपा विधानसभा, केदारनाथ गुप्ता भानुप्रतापपुर और संजय श्रीवास्तव डोंगरगांव विधानसभा प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है।

नेताओं को जमीनी स्तर पर काम करना अनिवार्य

बताया जा रहा है कि बीजेपी के प्रदेश महासचिव पवन साय ने विधानसभा प्रभारी, जिला प्रभारी और प्रकोष्ठ पदाधिकारियों को स्पष्ट कर दिया है कि अब पूरा फोकस बूथ मजबूत करने और जमीनी स्तर पर माइक्रो-मैनेजमेंट पर रहेगा। सभी नेताओं को जमीनी स्तर पर काम करना अनिवार्य है।

संयोजक और सह-संयोजकों की भी नियुक्तियां

इसके साथ ही प्रकोष्ठों में संयोजक और सह-संयोजकों की भी नियुक्तियां की गई हैं,जिनमें मछुआरा प्रकोष्ठ,झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, आर्थिक प्रकोष्ठ, एनजीओ प्रकोष्ठ और बुनकर प्रकोष्ठ समेत अलग प्रकोष्ठ शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

बैंक खाते में नॉमिनेशन होने मात्र से ही किसी को नहीं मिलेगा मृतक की जमा राशि का मालिकाना हक

रायपुर,02 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है, जिसने बैंक खातों में नामांकन को लेकर चली आ रही भ्रम की स्थिति को साफ कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि किसी बैंक खाते में नामिनी दर्ज कर देने भर से उस व्यक्ति को जमा रकम का मालिकाना हक नहीं मिलता। नामिनी की भूमिका सिर्फ अभिरक्षक की होती है, कानूनी वारिस वही होगा जिसे उत्तराधिकार कानून अधिकार देता है। मामला मुंगेली जिले की स्वास्थ्य कार्यकर्ता रंजनादेवी प्रधान से जुड़ा है। उनके बैंक ऑफ इंडिया, मुंगेली शाखा में करीब 15 लाख रुपये जमा थे। उनकी मौत के बाद यह रकम किसे मिले, इस पर दामाद राहुल ध्रुव और ससुर लल्लाराम दोनों ने दावा किया। रंजनादेवी ने अपने बैंक खाते में नामिनी के तौर पर दामाद का नाम दर्ज कर रखा था। इसी आधार पर ट्रायल कोर्ट ने रकम दामाद को देने का आदेश दिया। यहीं से मामला उलझ गया। ससुर लल्लाराम ने ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ जिला अदालत में अपील दायर की। उन्होंने तर्क दिया कि हिंदू उत्तराधिकार कानून के मुताबिक मृतका के पति पक्ष के वारिसों को पहले अधिकार मिलते हैं, और नामांकन भर से कानूनी वारिस का अधिकार खत्म नहीं होता। जिला अदालत ने यह तर्क मान लिया और ट्रायल कोर्ट का आदेश पलट दिया। अदालत ने कहा कि रंजनादेवी की जमा राशि पर पहला अधिकार ससुर का बनता है। इसके बाद दामाद राहुल ध्रुव यह मामला लेकर हाई कोर्ट पहुंचे और जिला अदालत के फैसले को चुनौती दी। हाई कोर्ट में यह सुनवाई जस्टिस ए के प्रसाद की सिंगल बेंच ने की। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के पहले दिए गए फैसलों का हवाला देते हुए साफ कहा कि नामिनी केवल राशि का संरक्षक होता है, मालिक नहीं। नामिनी का काम यह सुनिश्चित करना है कि रकम सुरक्षित रहे और बाद में उसे असली कानूनी वारिस को सौंप दिया जाए। हाई कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नामांकन का मतलब यह नहीं है कि कानूनी वारिस का हक खत्म हो जाता है। उत्तराधिकार कानून अपनी जगह प्रभावी रहता है और संपत्ति उसी को मिलती है जो कानूनन वारिस साबित होता है। इसी आधार पर कोर्ट ने जिला अदालत के आदेश को सही माना और मृतक कर्मचारी के ससुर लल्लाराम को 15 लाख रुपये का वैध वारिस घोषित किया। इस फैसले के साथ ही ससुर और दामाद के बीच करीब दो साल से चल रहा विवाद खत्म हो गया।

बिलासपुर निगम के टैक्स का 15 लाख लेकर भागा कर्मचारी

मामला सामने आने के बाद सभी जोन में होगी जांच

बिलासपुर,02 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर नगर निगम में टैक्स वसूली को लेकर बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है। तिफरा जोन-2 में 15 लाख 62 हजार 654 रुपए की वित्तीय गड़बड़ी उजागर हुई है। टैक्स की यह राशि निगम के अकाउंट में जमा कराने के बजाय कर्मचारी उसे लेकर भाग गया। निगम की ऑडिट टीम ने वित्तीय गबन को पकड़ा है। गबन का मामला सामने आते ही कमिश्नर ने सभी 8 जोन में ऑडिट कर जांच करने के निर्देश दिए हैं।

वसूली पर जांच शुरू

दरअसल, निगम की ऑडिट टीम ने तिफरा जोन-2 में जांच की, तब पता चला कि 15 लाख 62 हजार 654 रुपए का कोई हिसाब नहीं है। इस मामले की जांच के बाद ऑडिट टीम ने रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें स्पष्ट है कि साल 2022-23 से 2024-25 के बीच वसूला गया टैक्स पूरी तरह निगम के खाते में जमा नहीं हुआ। मामला खुलते ही अब निगम ने सभी आठों जोन में वसूली पर जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट में साफ है कि 2022-23 से 2024-25 के बीच वसूला गया।

पहले स्पाइरो कंपनी ने लगाया लाखों का चूना, अब प्लेसमेंट कर्मचारी ने उड़ाए पैसे : नगर निगम की टैक्स व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। पहले स्पायरो कंपनी की गड़बड़ी ने निगम को नुकसान पहुंचाया और अब निगम कर्मचारियों की ही अनियमितता सामने आ गई है। तिफरा जोन-02 में ऑडिट टीम ने 15 लाख 62 हजार 654 रुपए का सीधा वित्तीय गबन पकड़ा है। एक जोन में टैक्स में अनियमितता सामने आने के बाद राशि पूरी तरह निगम के खाते में जमा नहीं हुआ। कमिश्नर अमित कुमार ने सभी आठों जोन में वसूली पर सर्च कर जांच शुरू दी है। जोन-02 में वसूली की जिम्मेदारी एआरआई रामनारायण देवांगन की है। लेकिन, उन्होंने वसूली का काम प्लेसमेंट कर्मचारी आशीष कौशिक को दे दिया। इधर, मामले में जांच शुरू होते ही आशीष पुलिस की नजरों में फरार हो गया है।

इस अनियमितता को निगम की बड़ी चूक मानी जा रही है। चर्चा है कि टैक्स जैसे महत्वपूर्ण काम की जिम्मेदारी प्लेसमेंट स्टाफ को दे दी गई। ऑडिट में रसीद बुक, कैशबुक, बैंक प्रविष्टियों और संग्रहण पंजी के मिलान में कई गंभीर विसंगतियां मिलीं।

आदिवासी समाज के उत्थान और कल्याण के लिए छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,02 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायगढ़ के बोईरदादर में आयोजित अखिल भारतीय कंवर समाज के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने समाज की मांग पर 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन के प्रथम तल का लोकार्पण किया। समाज के वरिष्ठजनों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री साय ने कंवर समाज के पुरोधाओं को नमन करते हुए कहा कि समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि विभिन क्षेत्रों में सफल बनने का माध्यम भी है। हर बेटा-बेटी को शिक्षित करना ही समाज को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी समाज के उत्थान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। आदिवासियों एवं क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आव्हान भी किया। मुख्यमंत्री साय ने जनजातीय समाज के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर जनजातीय समुदाय के सम्मान को नई ऊंचाई दी है। उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धरती आबा ग्राम उत्कर्ष और पीएम जनमन कार्यक्रम की शुरूआत की है। यह आदिवासी कल्याण के क्षेत्र में आजादी के बाद सबसे बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं जनजातीय परिवारों को उपलब्ध करायी जा रही है। इन योजनाओं से जनजातीय क्षेत्रों में तेज गति से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की रजत जयंती समारोह के अवसर पर रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक सह संग्रहालय का लोकार्पण किया है। संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के वीर सेनानियों का देश के लिए योगदान जीवंत रूप में प्रदर्शित हो रहा है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे वीर नायकों के शौर्य और बलिदान से परिचित कराता रहेगा। यह हमारे आदिवासी समाज के लिए भी गौरव की बात है। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर राज्य के विकास-पीडीएस प्रणाली, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के व्यापक विस्तार का उल्लेख करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद गांव-गांव तक पहुंच मार्ग और विकास की रोशनी पहुँची है। राज्य में नक्सलवाद विकास में सबसे बड़ी बाधा रहा है, लेकिन सरकार के प्रयासों से यह अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य तय किया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की नई औद्योगिक नीति के बारे में उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। हम उद्योग धंधों के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास कर रहे है। इसके साथ ही हमारी सरकार प्रदेश के सभी समाज को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, इसका लाभ अवश्य उठाना चाहिए।

साय कैबिनेट की बैठक आज...कई विषयों पर होगी चर्चा,वित्त-कृषि-ऊर्जा और उद्योग विभागों के एजेंडा पेश किए जाएंगे...

रायपुर,02 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक 3 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में यह बैठक मंत्रालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में सुबह 11 बजे से शुरू होगी। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के कार्यक्रमों, प्रशासनिक फैसलों और कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बैठक में वित्त, अवसंरचना, कृषि, उद्योग, ऊर्जा समेत अन्य प्रमुख विभागों के कई जरूरी एजेंडा पेश किए जाएंगे।

योजनाओं का होगा मूल्यांकन

राज्य में चल रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही, बजट में शामिल होने वाली नई नीतियों और परियोजनाओं पर भी निर्णय की प्रक्रिया तेज की जा सकती है। सरकार के विकास रोडमैप को गति देने के लिए निवेश आकर्षण,रोजगार सृजन,औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचा उन्नयन से जुड़े प्रस्ताव भी मेज पर आ सकते हैं।

अगले महीने रायपुर में होगा साहित्य उत्सव,देशभर के 100 से अधिक साहित्यकार जुटेंगे

रायपुर,02 दिसम्बर 2025। नए वर्ष की शुरुआत के साथ छत्तीसगढ़ एक बार फिर साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर होने को तैयार है। आगामी महीने रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन नवा रायपुर में 23 से 25 जनवरी तक होगा, जिसमें देश भर से 100 से अधिक प्रतिष्ठित साहित्यकार शामिल होंगे। राज्य स्थापना के रजत वर्ष पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा इस आयोजन की परिकल्पना की गई थी। उनकी यह परिकल्पना अब साकार रूप लेने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में रायपुर साहित्य उत्सव के लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा,छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शंशाक शर्मा, जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ.रोहित यादव, वरिष्ठ साहित्यकार सुशील त्रिवेदी, डॉ. चितरंजन कर,डॉ. संजीव बक्शी,प्रदीप श्रीवास्तव और शकुंतला तरार उपस्थित थे। लोगो अनावरण के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर पूरा प्रदेश रजत महोत्सव मना रहा है, और रायपुर साहित्य उत्सव उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव न केवल छत्तीसगढ़ को, बल्कि पूरे देश के मूर्धन्य साहित्यकारों को एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहाँ उनके अनुभव, विचार और रचनात्मक धारा से अवगत होने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ को साहित्यिक जगत में एक नई पहचान प्रदान करेगा तथा जनसमुदाय को साहित्य, लेखन और पठन-पाठन की ओर प्रेरित करेगा। साथ ही यह उत्सव राज्य की विकास योजनाओं के लिए भी सकारात्मक सामाजिक चेतना और विमर्श का मंच बनेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संकल्पना पर आधारित इस आयोजन की व्यापक कार्ययोजना मात्र दो माह में तैयार की गई है। यह तीन दिवसीय महोत्सव 23, 24 एवं 25 जनवरी 2026 को जनजातीय संग्रहालय के समीप आयोजित होगा। इस उत्सव में कुल 11 सत्र शामिल होंगे। इनमें 5 समानांतर सत्र, 4 सामूहिक सत्र, और 3 संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें साहित्यकारों एवं प्रतिभागियों के बीच सीधा संवाद और विचार-विमर्श होगा। अगले महीने आयोजित होने जा रहे रायपुर साहित्य उत्सव के लोगो में छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को एक प्रभावशाली प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। यह लोगो न सिर्फ राज्य की पहचान को दर्शाता है,बल्कि बस्तर की जैव-विविधता,जनजातीय परंपराओं, और छत्तीसगढ़ की आत्मा माने जाने वाले सल्फी पेड़ की सांस्कृतिक महत्ता को भी सशक्त रूप में उजागर करता है। लोगो में सल्फी के पेड़ को छत्तीसगढ़ राज्य के नक्शे का रूप देकर यह संदेश दिया गया है कि राज्य की सभ्यता, संस्कृति और साहित्य सदियों से इसी भूमि की जड़ों से पोषित होते आए हैं। सल्फी का यह पेड़ आदिकाल से चली आ रही पौराणिक परंपराओं, भाईचारे और एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। जनजातीय समाज के जीवन में गहराई से रचे-बसे इस पेड़ को साहित्य उत्सव के लोगो में शामिल करने से यह संदेश भी मिलता है कि छत्तीसगढ़ का जनजातीय साहित्य, लोकविश्वास और पारंपरिक ज्ञान-धारा आज भी समकालीन साहित्यिक प्रवाह के केंद्र में है।

लोगो में अंकित 'आदि से अनादि तक' वाक्य साहित्य की उस अटूट यात्रा को दर्शाता है, जिसमें आदिकालीन रचनाओं से लेकर निरंतर विकसित हो रहे आधुनिक साहित्य तक सभी रूप समाहित हैं। यह संदेश स्पष्ट रूप से प्रकट होता है कि साहित्य कालातीत है, वह समय, समाज, भाषा और पीढ़ियों को जोड़कर चलने वाली निरंतर धारा है। इसी प्रकार लोगो में शामिल 'सुरसरि सम सबके हित होई' वाक्य साहित्य को गंगा की तरह मुक्त, समावेशी और सर्वहितकारी शक्ति के रूप में स्थापित करता है। साहित्य सभी जाति, वर्ग, परंपरा और जीवन-रीतियों को अपनी व्यापकता में समाहित कर समाज को दिशा देता है और सबके हित का मार्ग प्रशस्त करता है।

पीएचई विभाग की बड़ी कार्रवाई...जल जीवन मिशन में लापरवाही पर 19 ठेकेदारों के 37 कार्य निरस्त

रायपुर,02 दिसम्बर 2025। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की मासिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर कोंडागांव के निर्देशों के बाद जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों में लापरवाही,धीमी प्रगति और घटिया गुणवत्ता सामने आने पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने 19 ठेकेदारों के कुल 37 कार्य तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 31.17 करोड़ रुपये है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि कई ठेकेदारों ने कार्य प्रारंभ नहीं किए या अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई, वहीं कई स्थानों पर पानी टंकी निर्माण और जल आपूर्ति साथ ही बोर खनन कार्य नहीं किए गए थे,इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए विभाग ने यह कठोर कदम उठाया है। ठेकेदारों की लगभग 23.38 लाख रुपये की अमानत राशि निरस्त अनुबंधों के शेष कार्य के लिए निविदा भी प्रकियाधीन है। इसके अतिरिक्त सुरक्षा निधि भी राजसात की जाएगी,साथ ही इन ठेकेदारों को आगामी निविदाओं में भाग लेने से प्रतिबंधित (ब्लैकलिस्ट) किया जाएगा।

सूदखोर रोहित तोमर भगोड़ा घोषित पता बताने वाले को पुलिस देगी ये इनाम

रायपुर,02 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सूदखोरी और हिंसक वारदातों में शामिल रोहित तोमर पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। उसके भाई वीरेंद्र तोमर की गिरफ्तारी के बाद अब रोहित को भगोड़ा घोषित कर दिया गया है। एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने उसकी लोकेशन या सुराग देने वालों के लिए पांच हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। वीरेंद्र पर भी यही इनाम पहले घोषित किया गया था। पुरानी बस्ती थाना की टीम ने हाल ही में वीरेंद्र को ग्वालियर से पकड़ा था। 2013 की हत्या के केस में उसकी रिव्यू पिटीशन हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी है, जिससे निचली अदालत में अंतिम सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। आरोप है कि सूदखोरी के विवाद में उसने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की थी। दोनों भाइयों पर अलग-अलग थानों में 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बिलासपुर हाईकोर्ट ने कही ये बात...नाबालिग बलात्कार पीड़िता को मिली गर्भपात की अनुमति

बिलासपुर,02 दिसम्बर 2025। बिलासपुर हाईकोर्ट ने एक नाबालिग बलात्कार पीड़िता को 21 सप्ताह का गर्भ समाप्त कराने की परमिशन दे दी है। मामले को लेकर हाईकोर्ट ने कहा- कि ऐसा न करने पर उसकी शारीरिक अखंडता के अधिकार का उल्लंघन होगा, उसके मानसिक आघात में वृद्धि होगी तथा उसके शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।

हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग को 21 हफ्ते के गर्भ को खत्म करने की अनुमति कोर्ट ने दी है। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने कहा– गर्भपात नाबालिग की व्यक्तिगत इच्छा है, इसका सम्मान जरूरी है। सीएमएचओ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की जांच रिपोर्ट के बाद कोर्ट ने मेडिकल सुपरविजन में गर्भपात का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा– अनचाहा गर्भ जारी रखना पीड़िता के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के अधिकार का उल्लंघन होगा। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट की धारा 3 के तहत अनुमति दी गई। डॉक्टरों की टीम की मौजूदगी में पीड़िता का गर्भपात कराया जाएगा। जस्टिस पार्थ प्रतिम साहू ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि याचिकाकर्ता जबरन यौन संबंध बलात्कार की शिकार है। वह गर्भपात कराना चाहती है, क्योंकि वह बलात्कारी के बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती। गर्भपात कराना उसका निजी फैसला है, जिसका न्यायालय को सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का एक पहलू है। जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने सुचिता श्रीवास्तव सुप्रा मामले में कहा है। गर्भावस्था जारी रखने से उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है। कोर्ट ने आगे कहा कि यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए और यह अजन्मे बच्चे के लिए और भी अधिक खतरनाक हो सकता है। उसे गर्भपात की अनुमति दी गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)